राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

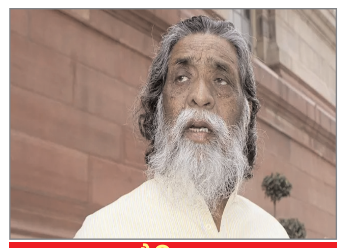

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, गुरुवार, 05 फरवरी 2026
वर्ष 14, अंक 286, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

सीतापुर में न्यायालय अभिरक्षा से फरार हुआ विचाराधीन बंदी, पॉक्सो कोर्ट में पेशी के दौरान हुआ फरार..03

ट्रंप के आगे खामनेई का सरेंडर! न्यूक्लियर प्रोग्राम रोकने पर ग्रीन सिग्नल...04

देश और किसानों के हितों की रक्षा हुई, संवेदनशील मुद्दे बाहर रखे... अमेरिकी ट्रेड डील पर संसद में पीयूष गोयल का बयान

● केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने आज लोकसभा में कहा कि दोनों देशों के बीच डील को लेकर बातचीत के दौरान दोनों पक्ष अपने-अपने हितों की रक्षा सुनिश्चित करने में सफल रहे. भारतीय पक्ष डील करने के दौरान अपने अहम क्षेत्रों खासकर कृषि और किसानों के हितों की रक्षा करने में सफल रहा

भारत और अमेरिका के बीच हुए ट्रेड डील को लेकर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने आज बुधवार को भारी शोर-शराबे के बीच लोकसभा में कहा कि दोनों देशों के बीच डील को लेकर बातचीत के दौरान दोनों पक्ष अपने-अपने हितों की रक्षा सुनिश्चित करने में सफल रहे. भारतीय पक्ष डील करने के दौरान अपने अहम क्षेत्रों खासकर कृषि और किसानों के हितों की रक्षा करने में सफल रहा. सांसदों के हंगामे के बीच केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, 'पीएम नरेंद्र मोदी की फरवरी 2025 की अमेरिका यात्रा के बाद से भारत और अमेरिका के बीच संतुलित, पारस्परिक रूप से, लाभकारी और द्विपक्षीय ट्रेड डील करने को लेकर लगातार और नियमित चर्चा करते रहे हैं. पिछले साल, दोनों पक्षों के बातचीत करने वालों ने अलग-अलग लेवल पर विस्तार से बातचीत की।'

सांसदों के हंगामे के बीच केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, 'पीएम नरेंद्र मोदी की फरवरी 2025 की अमेरिका यात्रा के बाद से भारत और अमेरिका के बीच संतुलित, पारस्परिक रूप से, लाभकारी और द्विपक्षीय ट्रेड डील करने को लेकर लगातार और नियमित चर्चा करते रहे हैं. पिछले साल, दोनों पक्षों के बातचीत करने वालों ने अलग-अलग लेवल पर विस्तार से बातचीत की। '

कृषि-डेयरी क्षेत्र के हितों की रक्षाः गोयल

उन्होंने आगे कहा, 'बातचीत के दौरान दोनों पक्षों के जरूरी हितों को ध्यान में रखते हुए, यह स्वाभाविक है कि दोनों पक्ष अपने-अपने जरूरी और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा करना चाहेंगे और सबसे अच्छे नतीजे भी सुनिश्चित करना चाहेंगे. आपसी बातचीत के दौरान, भारतीय पक्ष अपने संवेदनशील क्षेत्रों, खासकर कृषि और डेयरी के हितों की रक्षा करने में सफल रहा. एक साल की बातचीत के बाद, दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापार समझौते के विभिन्न क्षेत्रों को अंतिम रूप देने में सफल रहे। '

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि संवेदनशील मुद्दों को ट्रेड डील से अलग रखा गया है. खाद और कृषि क्षेत्र का पूरा ध्यान रखा गया है. किसानों को कोई नुकसान नहीं होगा. इस डील से भारत और अमेरिका दोनों पक्षों को फायदा होगा।

मोदी-ट्रंप के बीच 2 फरवरी को हुई बातः गोयल

टैरिफ को लेकर गोयल ने आगे कहा, '2 फरवरी 2026 को, PM नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व के कई मामलों पर टेलीफोन पर बातचीत की. इसके बाद, राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ को घटाकर 18% करने की घोषणा की. मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि यह टैरिफ कई प्रतिस्पर्धी देशों पर अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ से कहीं कम है. '

ट्रेड डील में विकसित भारत की बात करते हुए केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा, 'यह ऐतिहासिक और स्ट्रक्चरल समझौता भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने तथा विकसित भारत 2047 की दिशा में हमारी यात्रा को आगे बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है. यह दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों के बीच मजबूत संबंधों को भी दिखाता है, वे स्वाभाविक साझेदार हैं और साझा समृद्धि के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

इससे पहले सदन की कार्यवाही आज बुधवार सुबह 11 बजे शुरू हुई तो विपक्षी सांसदों के हंगामे की वजह से कार्यवाही 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई. लेकिन जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो विपक्षी सांसदों की ओर से हंगामा किया जाता रहा. हालांकि हंगामे के बीच पीयूष गोयल ने लोकसभा को ट्रेड डील के बारे में जानकारी दी. विपक्षी सांसदों का हंगामा जारी रहा और फिर स्पीकर ओम बिरला ने कार्यवाही को स्थगित कर दिया।

ट्रेड डील की आलोचना पर भड़के गोयल

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने इससे पहले कल मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा था. राहुल की आलोचना करते हुए गोयल ने कहा कि वह भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर देश को गुमराह कर रहे हैं. उन्हें देश के विकास की कोई चिंता नहीं है. उन्होंने निराशा जताते हुए कहा कि कांग्रेस और डीएमके, तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सहित अन्य विपक्षी पार्टियों के हंगामे के कारण उन्हें संसद में ट्रेड डील पर बयान देने की अनुमति नहीं दी गई।

उन्होंने कहा, उन्हें (राहुल गांधी) देश की प्रगति से कोई लेना-देना नहीं है. मुझे नहीं लगता कि कोई भी भारतीय नागरिक उनकी भ्रम वाली सोच से सहमत हो सकता है. क्या राहुल को लाखों-करोड़ों रुपये के निवेश से चिढ़ होती है जिसे हम भारत में लाने की कोशिश कर रहे हैं? इससे पहले कांग्रेस नेता ने यह आरोप लगाया था कि पीएम नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के दबाव में आकर ट्रेड डील को अंतिम रूप दिया और इस समझौते के जरिये भारतीय किसानों की कड़ी मेहनत को बेच दिया।

उड़ान भरने के बाद इंजन में लगी आग, तुर्की एयरलाइंस की फ्लाइट की कोलकाता में इमरजेंसी लैंडिंग

तुर्की एयरलाइंस के एक यात्री विमान की बुधवार को कोलकाता हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग कराई गई.नेपाल से इस्तांबुल जा रही फ्लाइट टी के 727 के इंजन में आग लगने के बाद पायलट ने कोलकाता एटीसी से संपर्क किया. आग के कारणों की जांच जारी है

तुर्की एयरलाइंस का एक यात्री विमान एक बड़े हवाई हादसे से बाल-बाल बच गया.फ्लाइट में इंजन में आग लगने के बाद बुधवार (4 फरवरी) को फ्लाइट की कोलकाता हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी. विमान में 236 यात्री सवार थे. हालांकि सभी यात्री पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, टर्किश एयरलाइंस की फ्लाइट TK 727 नेपाल के काठमांडू से तुर्की के इस्तांबुल के लिए रवाना हुई थी. जब विमान कोलकाता के हवाई क्षेत्र में था, तब पायलट ने देखा कि इंजन के एक हिस्से में आग लग गई है. स्थिति को गंभीर मानते हुए, पायलट ने तुरंत कोलकाता एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से संपर्क किया।

सावधानी के साथ रनवे पर उतारा गया विमान

कोलकाता एटीसी से हरी झंडी मिलते ही विमान को बेहद सावधानी के साथ रनवे पर उतारा गया. फायर ब्रिगेड की टीम और आपातकालीन सेवाएं पहले से ही हवाई अड्डे पर तैयार थीं. विमान के सुरक्षित उतरने के बाद यात्रियों को बाहर निकाला गया. फिलहाल विमान की मरम्मत का काम चल रहा है और यात्री हवाई अड्डे पर इंतजार कर रहे हैं. इस बात की जांच की जा रही है कि आग किसी यांत्रिक खराबी के कारण लगी थी या नहीं।

उड़ान भरने के महज चार मिनट बाद लगी आग

टीआईए के महाप्रबंधक टेक नाथ सीताउला के अनुसार, यह घटना दोपहर 1:28 बजे विमान के उड़ान भरने के महज चार मिनट बाद घटी. टीटीएचवाई 727 नंबर वाले इस विमान में उड़ान भरने के तुरंत बाद दाहिने इंजन में आग लगने की सूचना मिली. उन्होंने बताया कि 225 यात्री सवार थे. इंजन में आग लगने की सूचना मिलते ही हवाई अड्डे के अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को लगभग 15 मिनट के लिए पूरी तरह बंद कर दिया।

हवाई अड्डे को अस्थायी रूप से बंद किया गया

सीताउला ने कहा, 'हमने तुरंत दमकल गाड़ियों और एम्बुलेंस सहित सभी आपातकालीन व्यवस्थाएं तैयार कर लीं और हवाई अड्डे को अस्थायी रूप से बंद कर दिया. हालांकि, तुर्की के चालक दल द्वारा विमान को कोलकाता की ओर मोड़ने के अपने निर्णय की सूचना देने के बाद, हमने अनुमति दे दी' उन्होंने कहा, 'विमान कोलकाता में सुरक्षित रूप से उतर गया है और त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर परिचालन सामान्य हो गया है'. इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है. फिलहाल एयरलाइन द्वारा विमान की जांच की जा रही है।

संक्षिप्त ख़बरें

यूपी सरकार ने 68 हजार कर्मचारियों की सैलरी रोकी, वो कर्मी जिन्होंने नहीं किया ये काम

प्रयागराज। यूपी सरकार ने 68 हजार से ज्यादा राज्य कर्मचारियों की सैलरी फिलहाल रोक दी है। ये वो कर्मचारी हैं, जिन्होंने अपनी प्रॉपर्टी की जानकारी 'मानव संपदा पोर्टल' अपलोड नहीं की है। दरअसल, कुछ दिन पहले प्रदेश सरकार ने 'मानव संपदा पोर्टल' पर राज्य कर्मियों के चल-अचल संपत्ति का ब्योरा ऑनलाइन करना अनिवार्य कर दिया था। प्रदेश में आठ लाख से अधिक राज्य कर्मचारी हैं। आदेश में कहा गया था कि 31 दिसंबर 2025 तक अर्जित सभी चल-अचल संपत्तियों का ब्योरा 31 जनवरी 2026 तक पोर्टल पर ऑनलाइन देना होगा। अगर नहीं दिया तो फरवरी में जनवरी माह का वेतन नहीं मिलेगा। मुख्य सचिव ने कहा था कि सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को 31 दिसंबर 2024 तक अर्जित अपनी चल-अचल संपत्ति का ब्योरा 31 जनवरी तक मानव संपदा पोर्टल पर अनिवार्य रूप से भरना होगा। एक जनवरी से पोर्टल पर यह सुविधा शुरू हो गई है। सभी विभागाध्यक्ष अपने अधीनस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों को इसके अनुसार कार्यवाही करने के लिए कहें। तय सीमा में संपत्ति का विवरण न दिए जाने को प्रतिकूल रूप से लिया जाएगा। एक फरवरी, 2025 के बाद होने वाली विभागीय प्रमोशन समितियों की बैठकों में ऐसे अधिकारी-कर्मचारी के प्रमोशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

कन्नौज में किसान की हत्या, पेट में धारदार हथियार से हमला कर मार डाला

कन्नौज। घर से दूर खेत में झोपड़ी बनाकर सो रहे किसान की हत्या कर दी गई। सुबह खून से लथपथ चारपाई पर शव मिलने से सनसनी फैल गई। सदर कोतवाली के जलालपुर पनवारा गांव निवासी नरेंद्र पाल खेतीबाड़ी के साथ बकरी पालन करते हैं। वह गांव के बाहर खेत में झोपड़ी बनाकर रात को बकरियों और खेतों की रखवाली के लिए झोपड़ी में ही सोते थे। रोजाना की तरह सोमवार को भी घर से खाना खा कर झोपड़ी में सोने गए थे। दूसरे दिन मंगलवार की सुबह करीब 11 बजे बेटे सौरभ ने झोपड़ी के अंदर चारपाई पर शव देखा। इससे भीड़ जुट गई। सदर कोतवाली प्रभारी जितेंद्र प्रताप ने बताया कि पेट में धारदार हथियार से हमला कर किसान की हत्या की गई है। मामले की जांच की जा रही है। कानपुरः नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी मंगलवार सुबह जेके मंदिर पहुंचे। उन्होंने राधा-कृष्ण के दर्शन करने के बाद आरती की। पूजन कराने वाले बटुकों से बातचीत की। मंदिर के बारे में जानकारी ली। कहा, मंदिर अद्भुत बना है। उन्होंने मंदिर घूमते हुए फ़ोटो खिंचाई और कहां जीवन मे यह पल यादगार रहेंगे। उन्होंने मंदिर को नौसेना का एक स्मृति चिह्न दिया। वह मंदिर में करीब 35 मिनट रुके।

'शादी डॉट कॉम' के संस्थापक अनुपम मित्तल को SC से राहत, 2 हफ्ते के लिए गिरफ्तारी पर लगी रोक

● सुप्रीम कोर्ट ने 'शादी डॉट कॉम' के संस्थापक अनुपम मित्तल की गिरफ्तारी पर दो हफ्ते की अंतरिम रोक लगा दी है. यह मामला एक उपयोगकर्ता से 11 लाख रुपए की धोखाधड़ी से जुड़ा है, जहां फर्जी प्रोफाइल का इस्तेमाल किया गया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार (3 फरवरी) को 'शादी डॉट कॉम' के संस्थापक अनुपम मित्तल और दो अन्य की गिरफ्तारी पर दो हफ्ते की रोक लगा दी. हालांकि कोर्ट ने यह भी साफ किया कि अंतरिम जमानत के लिए उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट जाना होगा. यह मामलाइस वैवाहिक वेबसाइट के एक उपयोगकर्ता द्वारा कथित धोखाधड़ी किए जाने से संबंधित है।

इस मामले की सुनवाई जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एन.वी. अंजारी की बेंच ने की.सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना हाईकोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें मित्तल के खिलाफ कार्यवाही को निरस्त करने से इनकार कर दिया गया था और मामले को नए सिरे से विचार के लिए हाईकोर्ट को वापस भेज दिया है. हालांकि सुनवाई के दौरान कोर्ट ने साफ कहा कि यह अंतरिम जमानत का मामला है, इसके लिए आपको हाईकोर्ट जाना चाहिए।

क्या है मामला दरअसल यह मामला हैदराबाद की एक महिला की शिकायत से जुड़ा है. महिला का आरोप है कि उसने शादी डॉट कॉम पर एक प्रोफाइल के जरिए संपर्क किया.संबंधित व्यक्ति ने फर्जी पहचान का इस्तेमाल किया और उससे करीब 11 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई. महिला का आरोप है कि वेबसाइट ने यूजर के विवरण का सही तरीके से वैरिफिकेशन नहीं किया, जिसकी वजह से यह धोखाधड़ी संभव हो सकी।

अनुपम मित्तल का तर्क

इस शिकायत के आधार पर दर्ज केस में शादी डॉट कॉम के संस्थापक अनुपम मित्तल और अन्य के खिलाफ भी कार्यवाही शुरू हुई. मित्तल ने तर्क दिया कि प्लेटफॉर्म केवल एक जरिया है. उन्होंने कहा कि किसी एक यूजर की आपराधिक हरकत के लिए कंपनी या फाउंडर को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है. इसी के खिलाफ उन्होंने पहले तेलंगाना हाईकोर्ट का रुख किया था. हालांकि हाईकोर्ट ने मित्तल के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद्द करने से इनकार कर दिया था. इसके बाद मित्तल सुप्रीम कोर्ट पहुंचे।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चूंकि निर्णय विवाद के मूल कानूनी तथ्यों के आधार पर नहीं लिया गया, इसलिए हम उक्त आदेश को निरस्त करते हैं और मामले को इसके मूल तथ्यों के आधार पर विचार करने के लिए हाई कोर्ट को वापस भेजते हैं. आपराधिक मामलों को उनकी मूल फाइल में बहाल किया जाता है. हाई कोर्ट इनके मूल कानूनी तथ्यों के आधार पर विचार करेगा. यह कोर्ट इस संबंध में कोई राय नहीं दे रहा. बेंच ने कहा कि इस बीच, याचिकाकर्ता अंतरिम राहत के लिए हाई कोर्ट के समक्ष अनुरोध कर सकता है।

मित्तल के वकील ने कही ये बात

अनुपम मित्तल की ओर से कोर्ट में पेश हुए वकील आत्माराम नाडकर्णी ने दलील दी कि वह एक वैवाहिक वेबसाइट संचालित कर रहे हैं, जो जीवनसाथी ढूंढने में मदद करता है. उन्होंने कहा कि वह तो सिर्फ जीवनसाथी ढूंढने में मदद कर रहे हैं. उन्होंने सवाल किया, हम जांच में सहयोग कर रहे हैं. लेकिन फिर मुझे आरोपी क्यों बनाया गया है?

सुप्रीम कोर्ट ने ने 26 जून को तेलंगाना सरकार को नोटिस जारी कर सभी कार्यवाही पर रोक लगा दी थी.पिछले साल तेलंगाना हाई कोर्ट ने मित्तल और दो अन्य आरोपियों, विग्नेश और सतीश के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने से इनकार कर दिया था।

राजा भैया को घरेलू हिंसा मामले में दिल्ली कोर्ट से राहत, दिल्ली पुलिस की चार्जशीट खारिज

यूपी के कुंडा विधायक राजा भैया को पत्नी भानवी सिंह द्वारा दर्ज घरेलू हिंसा मामले में दिल्ली कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली पुलिस की चार्जशीट खारिज कर दी है

उत्तर प्रदेश के कुंडा से विधायक रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भैया' को उनकी पत्नी भानवी सिंह द्वारा दर्ज घरेलाई हिंसा के मामले में दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. कोर्ट ने दिल्ली पुलिस की ओर से दायर चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया है। राउज़ एवेन्यू कोर्ट के एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट अश्वनी पंवार ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि मामला समय सीमा के बाहर है और पुराने आरोपों को फिर से उठाने के लिए आपराधिक कानून का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने नोट किया कि राजा भैया और भानवी सिंह साल 2017 से 2025 तक अलग रह रहे थे, जबकि एफआईआर मार्च 2025 में दर्ज की गई थी. चूंकि हाल के समय में क्रूरता की कोई घटना नहीं हुई, इसलिए चार्जशीट पर संज्ञान नहीं लिया जा सकता।

पुलिस की चार्जशीट में दी गई थी यह दलील

दिल्ली पुलिस द्वारा दायर चार्जशीट में भी आईपीसी की धारा 498ए के तहत समय सीमा का उल्लंघन और प्राथमिक सबूतों (प्रथम दृष्टया साक्ष्य) की कमी का हवाला दिया गया था. पत्नी भानवी सिंह ने घरेलू हिंसा के आरोप में मार्च 2025 में दिल्ली के सफदरजंग एन्क्लेव थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने जांच पूरी कर चार्जशीट कोर्ट में पेश की थी।

क्या है राजा भैया का पत्नी से विवाद?

राजा भैया और भानवी सिंह की शादी 1994-1995 के आसपास हुई थी. दोनों के बीच सालों से तनाव और आरोप-प्रत्यारोप चल रहे हैं. 2023 में शुरुआत का बड़ा मोड़ आया, जब राजा भैया ने दिल्ली के साकेत फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दायर की, जिसमें पत्नी पर क्रूरता और परित्याग का आरोप लगाया.

मार्च 2025 में स्न्रढ्ढक्र में भानवी सिंह ने दिल्ली के सफदरजंग एन्क्लेव थाने में ढ्ढक्क्ष्ट धारा 498 (पति या उसके रिश्तेदार द्वारा क्रूरता) के तहत स्न्रढ्ढक्र दर्ज कराई. उन्होंने पुरानी हिंसा, शारीरिक चोटें और मानसिक आघात का दावा किया. दिल्ली पुलिस ने जांच के बाद चार्जशीट दाखिल की।

अलीगढ़ में बकाएदार की मौतः वसूली के दौरान तहसीलदार की गाड़ी में बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में मृत्यु

अलीगढ़। कोल तहसील क्षेत्र में वसूली के दौरान एक बकाएदार की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। रजा नगर निवासी स्माइल खान को राजस्व बकाया वसूली के सिलसिले में मंगलवार सुबह तहसीलदार श्वेता जिंदल की सरकारी गाड़ी में बैठाकर तहसील लाया जा रहा था।

करीब 1.47 लाख रुपये का राजस्व बकाया था

बताया गया कि स्माइल खान पर करीब 1.47 लाख रुपये का राजस्व बकाया था। जानकारी के मुताबिक मंगलवार सुबह करीब 9:30 बजे अमीन खजान सिंह व अन्य राजस्वकर्मी वसूली के लिए रजा नगर पहुंचे थे। वहां स्माइल खान को आवश्यक कार्रवाई के लिए गाड़ी में बैठाया गया और तहसील लाया गया।

गाड़ी से उतरते ही बिगड़ने लगी तबीयत

तहसील परिसर में पहुंचते ही गाड़ी से उतरते समय उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और उसे उल्टियां होने लगीं। स्थिति गंभीर देख तहसील के कर्मचारियों ने तत्काल उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद स्माइल खान को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही राजस्व विभाग व प्रशासनिक महकमे में हलचल मच गई। मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को भी दे दी गई है।

एसआईआर एक महाघोटाला, फार्म 7 के जरिए पीडीए के खिलाफ हो रही बड़ी साजिश', अखिलेश ने कोर्ट और मीडिया से की अपील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने राज्य में चल रहे एसआईआर की प्रक्रिया पर एक बार फिर से सवाल उठाए हैं। उन्होंने कोर्ट, चुनाव आयोग और मीडिया से इस मामले में साथ देने की अपील की है। अखिलेश यादव का कहना है कि फार्म-7 का दुरुपयोग कर विपक्ष के वोट को काटने का काम चल रहा है। समाजवादी पार्टी प्रमुख ने सभी न्यूज चैनलों और अखबारों से इस पूरे मामले की जांच कर महा-घोटाले का पर्दाफाश करने की अपील की है।

अखिलेश यादव ने उठाए सवाल यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, 'माननीय न्यायालय, निर्वाचन आयोग और समस्त पत्रकार इस बड़े षड्यंत्र का संज्ञान लें कि एसआईआर के तहत गांवों में छपे-छपाये फार्म 7 (जिसके माध्यम से आपत्ति करके कोई अन्य किसी का नाम कटवाने की साज़िश कर सकता है) कौन भेज रहा है। इसमें जो शिकायतकर्ता हैं उनका कोई अता-पता नहीं है।'

अखिलेश यादव ने आरोप लगाते हुए आगे लिख, 'फर्जी हस्ताक्षर करवाकर, विपक्ष के वोट काटने की साजिश की जा

रही है। पीडीए समाज ख़ासतौर से अल्पसंख्यक के नाम बड़े स्तर पर काटे जा रहे हैं। जिसके नाम की आपत्ति की जा रही है, उसे भी नहीं मालूम है कि उसका नाम सब कुछ सही होने के बावजूद काटा जा रहा है। सभी न्यूज चैनलों, अखबारों से अपील है कि वो इस महा-घोटाले का पर्दाफाश करें। '

सपा प्रमुख ने स्थानीय मीडिया और छोड़े-बड़े सभी पत्रकारों से अपील करते हुए आगे लिखा, 'हम स्थानीय यूट्यूबर और लोकल न्यूज कर्मियों से लोकतंत्र के हित में ये मांग करते हैं कि आप इस महाघोटाले का भंडाफोड़ करें और अपने स्तर पर प्रकाशित-प्रसारित करें। हम उनको पूरे देश-प्रदेश के सामने रखेंगे और आपकी ईमानदार पत्रकारिता को सच्चे दर्शकों-पाठकों तक पहुंचाएंगे। '

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम का अनूठा फैसला! इलाहाबाद हाई कोर्ट में 5 रिटायर्ड जज बने एडहॉक न्यायाधीश

● सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने बड़ा कदम उठाते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट में अनुच्छेद 224ए के तहत 5 रिटायर्ड न्यायाधीशों को दो साल के लिए एडहॉक न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दी है. यह फैसला न्यायपालिका में लंबित मामलों को तेजी से निपटाने और रिक्तियों को भरने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने अनूठा फैसला लिया है. संविधान के अनुच्छेद 224ए के तहत 2 साल की अवधि के लिए इलाहाबाद हाई कोर्ट में पांच रिटायर्ड जजों को एडहॉक जज के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है.3 फरवरी को हुई अपनी बैठक में पारित एक प्रस्ताव में कॉलेजियम ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में एडहॉक न्यायाधीश के रूप में कार्य करने के लिए न्यायाधीशों के नामों को मंजूरी दी। इनमें जस्टिस मोहम्मद फैज आलम खान, जस्टिस मोहम्मद असलम, जस्टिस सैयद आफताब हुसैन रिजवी, जस्टिस रेनू अग्रवाल और जस्टिस ज्योत्सना शर्मा हैं. गौरतलब है कि जस्टिस मोहम्मद फैज आलम खान मई 2025 से राष्ट्रीय न्यायालय न्यायालय (एनसीएलएटी) के न्यायिक सदस्य के रूप में कार्यरत हैं।

लोकतांत्रिक शासन की बुनियाद है न्याय मिलना

एक अन्य फैसले में सुप्रीम कोर्ट में कहा, न्याय मिलना लोकतांत्रिक शासन की बुनियाद है. यह न्यायसंगत और समानता पर आधारित समाज की मुख्य धुरी के रूप में काम करता है. जस्टिस पीएस नरसिंह और जस्टिस एएस चंदुरकर की पीठ ने कहा, मध्यस्थता कार्यवाही का सही तरह से चलना विवाद के समाधान के लिए बहुत जरूरी है।

मध्यस्थ के लिए समयसीमा से जुड़ी है धारा 29ए

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मध्यस्थता और सुलह अधिनियम-1996 की धारा 29ए(5) के तहत मध्यस्थ का कार्यकाल बढ़ाने के लिए दायर आवेदन धारा 29ए(1) और (3) के तहत निर्धारित समय खत्म होने के बाद भी स्वीकार किया जा सकता है. अधिनियम की धारा 29ए मध्यस्थ के लिए समयसीमा से जुड़ी है।

हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ अपील पर फैसला

पीठ ने एक कानूनी सवाल पर विचार किया कि क्या कोई अदालत अधिनियम की धारा 29ए(5) के तहत मध्यस्थ का कार्यकाल बढ़ाने के लिए आवेदन स्वीकार कर सकती है. इसने जनवरी 2025 के मद्रास हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ की गई अपील पर अपने फैसले में कहा, न्याय मिलना लोकतांत्रिक शासन की बुनियाद है. यह एक न्यायसंगत व समानता पर आधारित समाज की मुख्य धुरी के रूप में काम करता है।

भारत-अमेरिका रिश्तों में नया मोड़ टैरिफ कटौती के पीछे बदलती वैश्विक राजनीति और भारत की बढ़ती ताकत

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ को घटाकर 18% करना सिर्फ एक व्यापारिक फैसला नहीं है, बल्कि यह बदलते वैश्विक समीकरणों, भारत की रणनीतिक मजबूती और अमेरिका की व्यावहारिक मजबूरियों का संकेत देता है। लंबे समय से जिस भारत-अमेरिका ट्रेड डील का इंतजार किया जा रहा था, वह आखिरकार ऐसे समय में सामने आई है जब दुनिया युद्ध, ऊर्जा संकट, महंगाई और भू-राजनीतिक खींचतान से जूझ रही है। इस फैसले ने यह साफ कर दिया है कि भारत अब केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक संतुलन में निर्णायक भूमिका निभाने वाला देश बन चुका है।

ट्रम्प का भारत पर नरम रुख पहली नजर में उनकी व्यक्तिगत कूटनीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दोस्ताना संबंधों का नतीजा लगता है, लेकिन गहराई से देखने पर इसके पीछे ठोस आर्थिक, राजनीतिक और रणनीतिक कारण दिखाई देते हैं। अमेरिका इस समय एक जटिल स्थिति में है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है, चीन के साथ अमेरिका का टकराव लगातार तेज हो रहा है और घरेलू स्तर पर अमेरिकी अर्थव्यवस्था महंगाई व उद्योगों की लागत से दबाव में है। ऐसे में अमेरिका के लिए भारत जैसा बड़ा बाजार, भरोसेमंद साझेदार और रणनीतिक सहयोगी बेहद अहम हो गया है।

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल बाजार है। 1.4 अरब की आबादी, तेजी से बढ़ता मध्यम वर्ग और उपभोक्ता मांग अमेरिका की बड़ी कंपनियों के लिए सुनहरा अवसर है। ट्रम्प की 'बाय अमेरिकन' नीति तभी सफल हो सकती है जब अमेरिकी उत्पादों के लिए बड़े और स्थिर बाजार उपलब्ध हों। भारत ने अमेरिका से 500 अरब डॉलर से ज्यादा के ऊर्जा, तकनीक, कृषि और अन्य उत्पाद खरीदने की प्रतिबद्धता जताकर यह साफ कर दिया कि वह केवल टैरिफ में राहत नहीं चाहता, बल्कि दीर्घकालिक साझेदारी के लिए तैयार है। यह प्रस्ताव अमेरिकी उद्योगों, खासकर ऊर्जा और टेक सेक्टर के लिए बेहद आकर्षक है।

ऊर्जा के मोर्चे पर भारत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। रूस से सस्ता तेल खरीदना भारत की मजबूरी रही है, क्योंकि उसकी ऊर्जा जरूरतें विशाल हैं और घरेलू उत्पादन सीमित है। अमेरिका ने इसी को लेकर भारत पर अतिरिक्त 25% टैरिफ लगाया था, लेकिन हकीकत यह है कि भारत को पूरी तरह रूस से अलग करना न तो आसान है और न ही व्यावहारिक। ट्रम्प प्रशासन यह समझ चुका है कि दबाव की नीति भारत जैसे आत्मनिर्भर और रणनीतिक रूप से स्वतंत्र देश पर ज्यादा देर तक कारगर नहीं रहेगी। इसके बजाय, अमेरिका ने भारत को अपने पक्ष में करने के लिए प्रोत्साहन का रास्ता चुना। ज्यादा अमेरिकी तेल और गैस की खरीद से अमेरिका को आर्थिक फायदा होगा और भारत को ऊर्जा स्रोतों में विविधता मिलेगी।

ट्रम्प के नरम पड़ने की एक बड़ी वजह चीन फैक्टर भी है। अमेरिका और चीन के रिश्ते पिछले कुछ वर्षों में लगातार बिगड़े हैं। व्यापार युद्ध, तकनीकी प्रतिबंध और सैन्य प्रतिस्पर्धा ने दोनों देशों को आमने-सामने खड़ा कर दिया है। ऐसे में अमेरिका को एशिया में एक मजबूत संतुलनकारी शक्ति की जरूरत है, और भारत इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त देश है। भारत की अर्थव्यवस्था चीन के बाद एशिया में सबसे बड़ी है, उसकी लोकतांत्रिक व्यवस्था अमेरिका के लिए वैचारिक रूप से भी अनुकूल है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में उसकी रणनीतिक स्थिति बेहद अहम है। भारत को नाराज करना या उस पर अत्यधिक दबाव बनाना अमेरिका के दीर्घकालिक हितों के खिलाफ जाता।

भारत की कूटनीतिक परिपक्वता भी इस डील में साफ नजर आती है। भारत ने न तो जल्दबाजी में कोई प्रतिक्रिया दी और न ही दबाव में अपने हितों से समझौता किया। डब्ल्यूटीओ में जवाबी ड्यूटी का प्रस्ताव देकर भारत ने यह संकेत दिया कि वह अपने व्यापारिक हितों की रक्षा करना जानता है। साथ ही, अमेरिका के साथ संवाद के दरवाजे खुले रखकर यह भी दिखाया कि वह टकराव नहीं, बल्कि संतुलन चाहता है। यही संतुलित रुख अंततः अमेरिका को बातचीत की मेज पर वापस लाया।

ट्रम्प की व्यक्तिगत राजनीति भी इस फैसले में अहम रही। ट्रम्प खुद को एक ऐसे नेता के रूप में पेश करना चाहते हैं जो डील करना जानता है। भारत जैसे बड़े देश के साथ ट्रेड डील उनकी छवि को मजबूत करती है, खासकर तब जब वे इसे अपनी सख्त टैरिफ नीति की 'सफलता' के रूप में दिखा सकते हैं। 18% टैरिफ को वे रियायत नहीं, बल्कि अपनी बातचीत की जीत के तौर पर पेश कर रहे हैं। साथ ही, मोदी जैसे लोकप्रिय और मजबूत नेता के साथ दोस्ती दिखाना ट्रम्प के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर सकारात्मक संदेश देता है।

भारत की आंतरिक मजबूती भी अमेरिका के बदले रुख की वजह बनी है। पिछले एक दशक में भारत ने बुनियादी ढांचे, डिजिटल अर्थव्यवस्था, विनिर्माण और रक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहल ने यह संदेश दिया है कि भारत अब केवल आयात पर निर्भर रहने वाला देश नहीं रहा। विदेशी कंपनियों के लिए भारत सिर्फ बाजार नहीं, बल्कि उत्पादन का केंद्र भी बन रहा है। अमेरिका यह समझता है कि भारत के साथ सहयोग का मतलब भविष्य की वैश्विक सप्लाई चेन में हिस्सेदारी हासिल करना है।

राजनीतिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति मजबूत हुई है। वैश्विक मंचों पर भारत की आवाज अब ज्यादा प्रभावशाली है। जी-20 की अध्यक्षता, क्वाड जैसे मंचों में सक्रिय भूमिका और विकासशील देशों के मुद्दों पर नेतृत्व ने भारत को एक भरोसेमंद वैश्विक खिलाड़ी बना दिया है। अमेरिका जैसे देश के लिए ऐसे साझेदार को नजरअंदाज करना मुश्किल है।

इस पूरे घटनाक्रम से यह भी साफ होता है कि अंतरराष्ट्रीय संबंध अब केवल ताकत के दम पर नहीं चलते। आर्थिक परस्पर निर्भरता, रणनीतिक जरूरतें और राजनीतिक संतुलन मिलकर फैसले तय करते हैं। अमेरिका ने यह महसूस किया कि भारत पर सख्ती उसे चीन या रूस के और करीब धकेल सकती है, जो अमेरिकी हितों के खिलाफ है। इसलिए टैरिफ में कटौती कर और ट्रेड डील की घोषणा कर अमेरिका ने रिश्तों को नई दिशा देने की कोशिश की है।

अंततः यह डील भारत के लिए भी एक अवसर है और एक जिम्मेदारी भी। अवसर इसलिए कि कम टैरिफ से भारतीय निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा आसान होगी। जिम्मेदारी इसलिए कि भारत को अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए संतुलन साधना होगा, ताकि वह किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भर न हो। ट्रम्प का नरम पड़ना इस बात का संकेत है कि भारत अब वैश्विक मंच पर कमजोर पक्ष नहीं, बल्कि ऐसा देश है जिसके साथ शर्तों पर बात होती है।

यह समझौता दिखाता है कि भारत की ताकत केवल उसकी अर्थव्यवस्था या आबादी में नहीं, बल्कि उसकी धैर्यपूर्ण कूटनीति, स्पष्ट प्राथमिकताओं और आत्मविश्वास में है। अमेरिका का रुख बदलना इस बात की स्वीकारोक्ति है कि भारत के बिना वैश्विक समीकरण पूरे नहीं होते। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह नई शुरुआत भारत-अमेरिका रिश्तों को किस ऊंचाई तक ले जाती है, लेकिन इतना तय है कि इस डील ने भारत की बढ़ती वैश्विक हैसियत पर एक बार फिर मुहर लगा दी है।

कांतिलाल मांडोत

हवाई सुरक्षा को लेकर उठते सवाल!

महाराष्ट्र के प्रखर नेता अजित दादा को हमने खो दिया। बस उनकी यादें शेष रह गई हैं। नागपुर में पिछले विधानसभा सत्र के दौरान महाराष्ट्र के मंत्रियों और विधायकों के लिए मैंने सम्मान भोज आयोजित किया था। दादा आए थे। बड़ी खुशमिजाजी से मिले, आमतौर पर गंभीर रहने वाले अजित दादा की आंखों में उस दिन गजब की चमक थी। व्यक्तित्व में उल्लास झलक रहा था। उन्होंने कहा कि जिस बिल्डिंग में आप रहते हैं वहीं रहने मेरे सुपुत्र पार्थ भी आ रहे हैं। मैं घर देखने आने वाला हूं। फिर साथ बैठेंगे, भोजन करेंगे और खूब गप्पें लड़ाएंगे। मैंने मजाक में कहा कि दादा लड़ेंगे-लड़ाएंगे नहीं, खुशियां मनाएंगे।

नियति के दस्तूर का क्या कहें, कहानी बनते-बनते अधूरी रह गई। दादा यादों के इंद्रधनुष का हिस्सा बन गए। जाने वाले कब लौट कर आते हैं? बस यादें रह जाती हैं। अपने राजनीतिक गुरु और चाचा शरदचंद पवार के नक्शे-कदम पर उन्होंने राजनीति का पाठ पढ़ा। फर्क बस इतना था कि शरदचंद पवार मुस्कुरा कर राजनीति करते हैं और अजित दादा बेबाक थे। हां तो हां, ना तो ना! पवार साहब की तरह ही सूर्योदय के साथ अजित दादा की दिनचर्या शुरू हो जाती थी। पहली बैठक का समय होता था सुबह 7 बजे! ऐसी बहुत सी बातें हैं जो उन्हें पसंद करने का कारण थीं। मुंबई में शनिवार या रविवार को कितना भी महत्वपूर्ण कार्यक्रम हो, वे शामिल नहीं होते थे क्योंकि इनमें से एक पुणे और दूसरा दिन बारामती के लिए आरक्षित रहता था।

दादा के साथ की और भी बहुत सी यादें हैं लेकिन इस वक्त मैं इस सोच से उबर नहीं पा रहा हूं कि हवाई यात्राएं इतनी असुरक्षित क्यों हो रही हैं। भारत में हवाई यात्रा की सुरक्षा को हम सब बहुत बेहतर कहते हैं। इसके समर्थन में हमारे पास बहुत से कागजी आंकड़े भी हैं। वैश्विक विमानन सुरक्षा रैंकिंग में हम 112 से उठ कर 55 वें स्थान तक पहुंच चुके हैं, मगर मेरे मन में सवाल उठ रहा है कि चूक कहां हो रही है? जब हम सड़क पर यात्रा करते हैं तो भीषण दुर्घटना में भी बचने की संभावनाएं बनी रहती हैं लेकिन हवा में तो एक छोटी सी चूक भी सभी यात्रियों के लिए मौत का कारण बन जाती है। भारत में वीआईपी मूवमेंट के लिए नियम-कानून का अंबार है, फिर भी चूक कैसे हो जाती है। आखिर ऐसी दुर्घटनाओं में हमने कितने लोगों को खोया है।

लंबी सूची है। होमी भाभा, बिपिन रावत, संजय गांधी, माधवराव सिंधिया, विजय रूपाणी, ओपी जिंदल, जी. एम. सी. बालयोगी, वाई. एस. आर रेड्डी, दोरजी खांडू और साइप्रियन संगमा जैसे अनेक प्रमुख व्यक्तियों के नाम शामिल हैं। वैसे प्रसंगवश बता दें कि 1965 की जंग में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री बलवंत राय मेहता के विमान को पाकिस्तान ने सैन्य विमान समझ कर मार गिराया था। खैर, वह तो मामला ही अलग था। ये तो मैं उनकी बात कर रहा हूं जो चले गए। विमान दुर्घटना से बाल-बाल बचने वालों में वसंतराव नाईक से लेकर देवेंद्र फडणवीस तक की लंबी सूची है।

जब राहुल गांधी आंध्रप्रदेश के चुनावी दौरे पर थे तब मैंने महसूस किया कि लैंड करते वक्त धूल का ऐसा गुब्बार उठा कि हैलिकॉप्टर दिख ही नहीं रहा था। वह दृश्य देखकर मैं घबरा गया था। एक और घटना बताता हूं। मैं और मेरे अनुज राजेंद्र दर्डा हैलिकॉप्टर से मुंबई से ठाणे जा रहे थे। कुल जमा दस-पंद्रह मिनट की यात्रा थी लेकिन इतना कोहरा था, इतना प्रदूषण था कि कुछ दिखाई ही नहीं दे रहा था। उस मार्ग पर कई पहाड़ हैं और ऊंची इमारतें हैं। हमने भगवान का नाम लेते वह यात्रा की। आए दिन हमें यह खबर मिलती रहती है कि कहीं विमान से पक्षी टकरा गया तो कहीं रनवे पर कुत्ता आ गया। कई पायलट्स ने तो यहां तक शिकायत की है कि लेजर बीम के कारण भी उन्हें कई बार परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

अब अजित दादा के चार्टर्ड विमान की दुर्घटना को लेकर जो बातें सामने आ रही हैं वो चौंकाने वाली हैं। बताया जा रहा है कि विमान में भी खामियां थीं। इसके अलावा बारामती एयरपोर्ट पर न तो ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम है और न ही इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम है। स्थानीय फ्लाइट ट्रेनिंग स्कूल के इंस्ट्रक्टर रेडियो कम्युनिकेशन संभालते हैं। पायलट को रनवे तलाशने के लिए सूरज के सामने देखना पड़ रहा था। सूरज की चमक ने भी चकमा दिया होगा और दूसरी सबसे महत्वपूर्ण बात जो उभर कर सामने आ रही है, वह है पायलट कैप्टन सुमित कपूर का मदिरा प्रेम। दो बार ऐसे मौके आए थे जब फ्लाइट से पूर्व उन्हें नशे में पाया गया और डीजीसीए ने उन्हें तीन साल के लिए निलंबित भी किया था।

क्रिकेट का कब्रिस्तान पाकिस्तान, पाकिस्तान सरकार का आत्मघाती कदम

पाकिस्तान सरकार ने आगामी T20 वर्ल्ड कप 26 को श्रीलंका में होने वाले भारत-पाकिस्तान मैच में शामिल नहीं होने का फैसला कर लिया है। पाकिस्तान ने इस तरह पाकिस्तान क्रिकेट की कब्र ही खोद दी है। विगत 10 से12 वर्षों में क्रिकेट पाकिस्तान के लिए बोझ बनता जा रहा है और आगामी टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में 15 फरवरी को भारत के विरुद्ध मैच खेलने से पाकिस्तान सरकार के इनकार ने इस संकट को और गहरा कर दिया है। कयास यह लगाई जा रहे हैं कि भारत से डर कर पाकिस्तान ने मैच खेलने से इनकार कर दिया है गौरतलाप है कि वर्ल्ड कप T20 में आठ में से 7 मैच भारत जीता है और केवल एक मैच पाकिस्तान जीत पाया है। ऐसी परिस्थितियों में यह फैसला खेल से अधिक राजनीति से प्रेरित प्रतीत होता है और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट व्यवस्था में इसके दूरगामी आर्थिक, कूटनीतिक और संस्थागत दुष्परिणाम निश्चित हैं।

भारत पाक मुकाबला केवल एक मैच नहीं बल्कि वैश्विक क्रिकेट का सबसे बड़ा व्यावसायिक इवेंट माना जाता है। जिससे आईसीसी, मेज़बान देश, ब्रॉडकास्टिंग कंपनियां, प्रायोजक और स्वयं दोनों क्रिकेट बोर्डों को भारी राजस्व प्राप्त होता है। इन परिस्थितियों में यदि पाकिस्तान इस मैच से पीछे हटता है तो पहला सीधा झटका इंटरनेशनल ब्रॉडकास्टर्स को लगेगा जिन्होंने अरबों रुपये का निवेश इस टूर्नामेंट के अधिकारों में किया है। विज्ञापन अनुबंध, स्लॉट बुकिंग और व्यूअरशिप अनुमानों की रीढ़ भारत-पाक मैच पर ही टिकी होती है। मैच रद्द या पाकिस्तान की अनुपस्थिति की स्थिति में ब्रॉडकास्टिंग कंपनियां आईसीसी से मुआवज़े की मांग करेंगी और यह स्वाभाविक है कि आईसीसी उस क्षतिपूर्ति का बोझ संबंधित बोर्ड यानी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और अंततः पाकिस्तान सरकार पर डालने का प्रयास करेगा। विभिन्न मीडिया अनुमानों और पूर्व अनुभवों के आधार पर यह नुकसान लगभग 250 से 300 करोड़ रुपये तक आंका जा रहा है, जो पहले से कर्ज, महंगाई, विदेशी मुद्रा संकट और आईएमएफ की शर्तों से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए अत्यंत गंभीर आर्थिक आघात होगा। इतना ही नहीं यदि आईसीसी इसे टूर्नामेंट की अखंडता और अनुबंध उल्लंघन के रूप में देखती है तो उस पर अतिरिक्त जुर्माना भी लगाया जा सकता है। जिससे कुल नुकसान और बढ़ेगा, इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा शिकार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड होगा जो पहले ही आर्थिक रूप से कमजोर स्थिति में है और जिसकी आय का बड़ा हिस्सा आईसीसी के वितरण और भारत-पाक सीरीज की अप्रत्यक्ष लोकप्रियता पर निर्भर करता है। यदि आईसीसी पाकिस्तान को गैर-पेशेवर व्यवहार या राजनीतिक हस्तक्षेप के लिए दोषी मानती है तो उस पर भविष्य के टूर्नामेंटों की मेजबानी से वंचित किया जा सकता है या पांच वर्ष तक के प्रतिबंध जैसी कठोर कार्रवाई की संभावना भी बन सकती है, जो पीसीबी के लिए लगभग विनाशकारी सिद्ध होगी क्योंकि तब न केवल राजस्व रुकेगा बल्कि खिलाड़ियों का अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर भी सीमित हो जाएगा। पाकिस्तान का यह तर्क कि उसने बांग्लादेश के भारत न आकर खेलने के फैसले के समर्थन में यह कदम उठाया है, तो यह फैसला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जगत में ज्यादा वजन नहीं रखता क्योंकि आईसीसी का ढांचा द्विपक्षीय राजनीतिक समर्थन नहीं बल्कि लिखित अनुबंधों और तय कार्यक्रमों पर आधारित होता है। खेल की वैश्विक संस्था भावनात्मक या वैचारिक समर्थन से नहीं बल्कि व्यावसायिक अनुशासन से चलती है। पाकिस्तान का यह निर्णय उसे नैतिक ऊंचाई नहीं बल्कि प्रशासनिक अविश्वसनीयता की श्रेणी में खड़ा करता है। भारत की स्थिति इस पूरे विवाद में अपेक्षाकृत मजबूत है क्योंकि बीसीसीआई न केवल आर्थिक रूप से दुनिया का सबसे ताकतवर बोर्ड है बल्कि आईसीसी की आय का सबसे बड़ा स्रोत भी है। इसलिए किसी भी विवाद में आईसीसी संतुलन साधने का प्रयास करेगी लेकिन अंततः नुकसान उसी को उठाना पड़ेगा जो आयोजन को बाधित कर रहा है। पाकिस्तान में क्रिकेट को लेकर पहले ही अस्थिरता रही है,कभी सुरक्षा कारण, कभी सरकार का हस्तक्षेप, कभी बोर्ड की अंदरूनी राजनीति इन सबने मिलकर पाकिस्तान क्रिकेट की विश्वसनीयता को कमजोर किया है और यह फैसला उसी कड़ी का अगला अध्याय लगता है। यदि पाकिस्तान वास्तव में क्रिकेट को 'कब्रिस्तान' बनने से बचाना चाहता है तो उसे यह समझना होगा कि आधुनिक क्रिकेट केवल खेल नहीं बल्कि वैश्विक उद्योग है जहां भावनाओं से अधिक अनुबंध और पेशेवर प्रतिबद्धता मायने रखती है, भारत के खिलाफ न खेलने का निर्णय घरेलू राजनीति में भले ही तालियां बटोर ले, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मंच पर यह पाकिस्तान को अलग-थलग करने की दिशा में एक और कदम साबित हो सकता है।

अंततः नुकसान केवल सरकार या बोर्ड का नहीं होगा बल्कि उन खिलाड़ियों का होगा जिनके करियर, मेहनत और सपने इस अव्यवस्था की भेंट चढ़ेंगे, इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि इस फैसले ने पाकिस्तान ने अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी नहीं बल्कि क्रिकेट रूपी आखिरी सहारे पर भी गहरी चोट कर दी है। यदि समय रहते आत्ममंथन नहीं हुआ तो आने वाले वर्षों में पाकिस्तान क्रिकेट इतिहास के पन्नों में गौरव से नहीं बल्कि चेतावनी के उदाहरण के रूप में दर्ज हो सकता है।

संजीव ठाकुर

संपादकीय

अप्रकाशित किताब, बड़े दावे और खाली हाथ राहुल गांधी

[संसदीय मर्यादा बनाम राहुल गांधी की राजनीति]

[आरोपों का शोर, तथ्यों की कमी: संसद में राहुल गांधी बेबस]

2 फरवरी 2026 का दिन भारतीय संसदीय इतिहास में एक और तीखे और दुर्भाग्यपूर्ण टकराव के रूप में दर्ज हो गया। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की बहस, जो सामान्यतः सरकार की नीतियों पर गंभीर और मर्यादित विमर्श का अवसर होती है, उस दिन राहुल गांधी की आक्रामक राजनीति और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की तथ्यपरक दृढ़ता की भेंट चढ़ गई। लोकसभा का वातावरण अचानक उग्र हो उठा, तर्कों की जगह शोर ने ले ली और संसद की गरिमा एक बार फिर कठघरे में खड़ी दिखाई दी। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चीन, डोकलाम और गलवान का मुद्दा उठाकर सरकार को घेरने की कोशिश की, लेकिन उनका तरीका, उनका स्रोत और उनकी प्रस्तुति ही उनकी सबसे बड़ी कमजोरी बनकर सामने आ गई। राहुल गांधी ने अपने भाषण में पूर्व सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे की कथित अप्रकाशित किताब फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी का हवाला देते हुए यह सनसनीखेज दावा कर दिया कि चार चीनी टैंक भारतीय सीमा में घुसे थे और डोकलाम की एक रणनीतिक रिज पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने इसे सीधे-सीधे मोदी सरकार की विफलता करार दिया और चुनौती भरे लहजे में सवाल उछाला कि सरकार 'सच से डर क्यों रही है?' पहली नजर में यह आरोप चौंकाने वाला था, लेकिन जैसे ही उसके स्रोत की सच्चाई सामने आई, पूरा तर्क खोखला और आधारहीन नजर आने लगा। संसद कोई मंच नहीं है, जहां अप्रमाणित और अप्रकाशित स्रोतों के सहारे गंभीर आरोप उछाल दिए जाएं। यहीं से राहुल गांधी की राजनीतिक रणनीति पर गंभीर सवाल खड़े होने लगे। संसद के नियम 349 के तहत किसी भी अप्रकाशित, असत्यापित या अप्रमाणिक स्रोत से उद्धरण देना सख्त रूप से निषिद्ध है। जनरल नरवणे की किताब न तो प्रकाशित हुई थी और न ही उसे किसी आधिकारिक प्रक्रिया के तहत संसद के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। इसके बावजूद राहुल गांधी ने कारवां मैगजीन के एक लेख को आधार बनाकर पूरे सदन को गुमराह करने का प्रयास किया। यह केवल संसदीय नियमों का उल्लंघन नहीं था, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अत्यंत संवेदनशील विषय पर घोर गैर-जिम्मेदाराना रवैये का भी परिचायक था।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस पर बिना किसी हिचक के कड़ा और स्पष्ट ऐतराज जताया। शांत लेकिन सधे हुए शब्दों में उन्होंने सवाल किया कि राहुल गांधी आखिर किस किताब का उल्लेख कर रहे हैं, जिसे न उन्होंने स्वयं देखा है और न ही संसद के पास उसका कोई आधिकारिक संज्ञान है। राजनाथ सिंह ने स्पष्ट किया कि यदि जनरल नरवणे के पास कोई नई या गंभीर जानकारी होती, तो वह संवैधानिक मर्यादाओं के तहत सीधे सरकार को अवगत कराते। उन्होंने यह भी दोहराया कि नरवणे ने कभी अपनी किताब के प्रकाशन को लेकर किसी तरह की कानूनी लड़ाई नहीं लड़ी। रक्षा मंत्री का यह तर्कपूर्ण जवाब न सिर्फ संसदीय नियमों पर आधारित था, बल्कि राहुल गांधी के पूरे राजनीतिक नैरेटिव की बुनियाद को ही हिला देने वाला साबित हुआ। बहस के दौरान गृह मंत्री अमित शाह का हस्तक्षेप राहुल गांधी के लिए और अधिक असहज साबित हुआ। अमित शाह ने साफ शब्दों में कहा कि जिस लेख का हवाला दिया जा रहा है, वह भी उसी अप्रकाशित किताब पर आधारित है, जिसे संसद में उद्धृत करने की अनुमति नहीं है। उन्होंने राहुल गांधी से सीधा सवाल किया कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के बीच अचानक चीन का मुद्दा उठाने का उद्देश्य क्या है। यह संकेत स्पष्ट था कि मामला राष्ट्रहित से अधिक राजनीतिक लाभ का था। भाजपा सांसदों की नारेबाजी और स्पीकर ओम बिरला की बार-बार चेतावनियों के बीच सदन की कार्यवाही लगातार बाधित होती रही।

राहुल गांधी का रवैया इस पूरे घटनाक्रम में उनके पुराने राजनीतिक पैटर्न को ही दोहराता दिखा। नियमों की अनदेखी करना, विवाद खड़ा करना, खुद को अकेला सच बोलने वाला दिखाना और जब जवाब मिले तो हंगामे का सहारा लेना–यह कोई नया तरीका नहीं था। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भारत-चीन संबंधों पर चर्चा नहीं हो सकती, जबकि असल फर्क चर्चा और अफवाह के बीच होता है। भाजपा ने तुरंत जनरल नरवणे का पुराना बयान सामने रखा, जिसमें उन्होंने स्पष्ट कहा था कि 'न एक इंच जमीन गई है।' यह राहुल के दावों पर सीधा और निर्णायक प्रहार था। यह पूरी बहस इस बात को उजागर करती है कि राहुल गांधी किस तरह राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर विषय को भी राजनीतिक हथियार बना लेते हैं। गलवान में शहीद हुए 20 जवानों का बलिदान पूरे देश के लिए पीड़ा का विषय है, लेकिन बिना ठोस प्रमाण उस मुद्दे को बार-बार उठाना न तो संवेदनशीलता है और न ही जिम्मेदार विपक्ष का आचरण। राजनाथ सिंह ने सही कहा कि सेना की प्रतिष्ठा और देश की सुरक्षा पर सवाल उठाने के दूरगामी परिणाम होते हैं। ऐसे बयान सेना का मनोबल गिराते हैं और राष्ट्रीय एकता को कमजोर करते हैं। राजनाथ सिंह ने तथ्यों के आधार पर स्पष्ट किया कि चीन की ओर से कोई नई घुसपैठ नहीं हुई है और मोदी सरकार ने एलएसी पर मजबूत स्थिति बनाई है। इसके विपरीत, राहुल गांधी के आरोप अटकलों और अप्रमाणित बातों पर आधारित थे। कांग्रेस की राजनीति अब सरकार-विरोध तक सीमित नजर आती है, चाहे उससे राष्ट्रीय हित को नुकसान ही क्यों न पहुंचे। सदन के बाहर राहुल गांधी का यह कहना कि प्रधानमंत्री जवाब देने से भाग गए, दरअसल उनकी अपनी संसदीय विफलता को ही उजागर करता है, क्योंकि बहस के दौरान उनके पास कोई ठोस तथ्य मौजूद नहीं था। दिन के अंत में लोकसभा की कार्यवाही भले ही स्थगित हो गई, लेकिन तस्वीर पूरी तरह साफ हो चुकी थी। राहुल गांधी का पूरा प्रयास धराशायी हो गया। न केवल उनके आरोप खारिज हुए, बल्कि उनकी राजनीतिक रणनीति भी कठघरे में आ खड़ी हुई। इसके विपरीत, राजनाथ सिंह ने संयम, तथ्य और दृढ़ता के साथ सरकार का पक्ष रखा और यह स्पष्ट कर दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर विषय पर सरकार किसी भी झूठे या अप्रमाणित आरोप के आगे झुकने वाली नहीं है। यह पूरा घटनाक्रम भारतीय लोकतंत्र की उस मजबूती को रेखांकित करता है, जहां नियम, तथ्य और सत्य अंततः हावी रहते हैं। संसद अफवाहों का अखाड़ा नहीं, बल्कि जिम्मेदार और मर्यादित बहस का मंच है–और यही इस घटनाक्रम का सबसे बड़ा और स्पष्ट संदेश है।

प्रो. आरके जैन

सदन की मर्यादा बनाम राजनीतिक सनसनी अप्रकाशित किताबों के हवाले और कांग्रेस की जिम्मेदारी

लोकसभा लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहां शब्द केवल अभिव्यक्ति नहीं होते, बल्कि राष्ट्रीय भरोसे, संस्थागत मर्यादा और संवैधानिक जिम्मेदारी के प्रतीक भी होते हैं। ऐसे में अगर इस मंच पर ऐसे संदर्भ लाए जाएं, जिनका न तो आधिकारिक अस्तित्व हो और न ही सार्वजनिक सत्यापन, तो स्वाभाविक है कि सवाल केवल कथन पर नहीं, कथन करने की मंशा पर भी उठते हैं। पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल एम.एम. नरवणे की कथित अप्रकाशित किताब के हवाले से डोकलाम को लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का बयान इसी श्रेणी में आता है, जिसने संसद में हंगामा खड़ा कर दिया और देश के सामने एक गंभीर प्रश्न रख दिया। क्या राजनीतिक लाभ के लिए सदन की नियम-परंपरा और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषयों को दांव पर लगाया जा सकता है?

राहुल गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा के दौरान जिस मैगजीन लेख का हवाला दिया, वह स्वयं एक अप्रकाशित मेमॉयर पर आधारित बताया गया। जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि जिस किताब का जिक्र किया जा रहा है, वह प्रकाशित ही नहीं हुई है, तो इस तर्क को खारिज करना मुश्किल हो जाता है। संसदीय परंपरा साफ कहती है कि सदन में वही तथ्य उद्धृत किए जा सकते हैं, जो सार्वजनिक रूप से उपलब्ध, प्रकाशित और सत्यापन योग्य हों। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी इसी नियम की याद दिलाई। इसके बावजूद, नियमों की अवहेलना कर बार-बार वही संदर्भ दोहराया गया, जिससे बहस का स्तर मुद्दे से हटकर टकराव तक पहुंच गया।

यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस नेतृत्व, खासकर राहुल गांधी, ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर ऐसे बयान दिए हों, जिन्हें बाद में या तो आधा-अधूरा बताया गया या तथ्यहीन। डोकलाम जैसे संवेदनशील मुद्दे पर बोलते समय अतिरिक्त सावधानी अपेक्षित होती है, क्योंकि यहां केवल सरकार की आलोचना नहीं होती, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से सेना की रणनीति, क्षमता और निर्णयों पर भी सवाल खड़े होते हैं। स्वयं स्पीकर ने यह टिप्पणी की कि राष्ट्रीय हित के विषय पर सेना की आलोचना उचित नहीं है। यह टिप्पणी किसी दल विशेष के पक्ष में नहीं, बल्कि संस्था की रक्षा में दी गई चेतावनी थी।

राहुल गांधी का यह कहना कि '

'किताब को प्रकाशित नहीं करने दिया गया 'भी बिना किसी ठोस प्रमाण के एक गंभीर आरोप है। अगर ऐसा है, तो सवाल उठता है कि कांग्रेस के पास इसके समर्थन में आधिकारिक दस्तावेज, लेखक का सार्वजनिक बयान या प्रकाशक की पुष्टि क्यों नहीं है? संसद में संदेह, कयास और 'कहा जाता है' जैसे शब्दों के आधार पर देश की सुरक्षा नीति पर बहस नहीं की जा सकती। यह न केवल गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करने वाला भी है।

कांग्रेस अक्सर यह आरोप लगाती रही है कि सरकार असहज सवालों से डरती है। लेकिन इस पूरे प्रकरण में डर नहीं, बल्कि प्रक्रिया और नियमों पर जोर दिखा। अगर राहुल गांधी किसी प्रकाशित लेख या आधिकारिक बयान का हवाला देते, तो सरकार के पास उसका जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता। समस्या सवाल में नहीं, सवाल पूछने के तरीके में है। संसद बहस का मंच है, अफवाहों का नहीं। यही कारण है कि गृह मंत्री अमित शाह का यह कहना कि 'मैगजीन तो कुछ भी लिख सकती है' केवल एक राजनीतिक तंज नहीं, बल्कि तथ्यात्मक चेतावनी भी है।

कांग्रेस की रणनीति पर नजर डालें तो यह साफ दिखता है कि वह सदन के भीतर और बाहर लगातार ऐसे मुद्दे उठाना चाहती है, जिनसे सरकार को राष्ट्रवाद और सुरक्षा के मोर्चे पर घेरा जा सके। लेकिन जब ऐसे प्रयास ठोस तथ्यों के बजाय अपुष्ट संदर्भों पर आधारित हों, तो वे खुद कांग्रेस की विश्वसनीयता को चोट पहुंचाते हैं। जनता अब केवल आरोप नहीं, प्रमाण भी चाहती है। सोशल मीडिया और सूचना के इस दौर में आधे सच ज्यादा देर तक टिकते नहीं।

यह भी उल्लेखनीय है कि पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल नरवणे ने स्वयं सार्वजनिक रूप से यह नहीं कहा है कि डोकलाम में चीनी टैंक भारतीय सीमा के भीतर 100 मीटर तक आ गए थे, जैसा दावा किया गया। अगर ऐसा कोई गंभीर तथ्य होता, तो वह किसी न किसी आधिकारिक माध्यम से सामने आता। सेना और सरकार के बीच संवाद कोई छिपी हुई प्रक्रिया नहीं है, खासकर जब बात सीमा सुरक्षा की हो। ऐसे में अप्रकाशित किताब के हवाले से सनसनी फैलाना न तो जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका है और न ही परिपक्व राजनीति की पहचान।

सदन की कार्यवाही का बार-बार स्थगित होना भी किसी के हित में नहीं है। विपक्ष का काम सवाल पूछना है, लेकिन नियमों के भीतर रहकर। सरकार का काम जवाब देना है, लेकिन तथ्य और मर्यादा के साथ। जब दोनों में से कोई एक भी इस संतुलन को तोड़ता है, तो नुकसान लोकतंत्र का होता है। इस पूरे घटनाक्रम में सरकार ने नियमों का हवाला दिया, जबकि कांग्रेस ने भावनात्मक और आरोपात्मक राजनीति को तरजीह दी। यही अंतर आज की राजनीति की दिशा तय कर रहा है।

अंततः, यह बहस किसी एक किताब या एक बयान तक सीमित नहीं है। यह इस बात की परीक्षा है कि हम संसद को किस रूप में देखना चाहते हैं।एक गंभीर नीति-निर्माण मंच या राजनीतिक सुर्खियों का अखाड़ा। कांग्रेस और राहुल गांधी को आत्ममंथन करना होगा कि क्या बार-बार बेबुनियाद आरोप लगाकर वे वास्तव में राष्ट्रीय हित की सेवा कर रहे हैं, या केवल तात्कालिक राजनीतिक लाभ की तलाश में हैं। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन उतनी ही महत्वपूर्ण है उसकी जिम्मेदारी। बिना प्रमाण के आरोप न केवल सरकार को, बल्कि पूरे देश को कमजोर करते हैं।

कांतिलाल मांडोत

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

चिचिबरगांव में स्थित बिटुमेन प्लांट में लगी भीषण आग

जलकर राख में तब्दील प्लांट। सरकार से लगाई मदद की गुहार।

सिलापथार। सोमवार रात चिचिबरगांव के पास पुकिया तिनाली के पास अलकतारा प्रोजेक्ट में बिजली में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी। आग तब लगी जब बिटुमेन प्लांट में काम चल रहा था। आग टार और तेल के टैंकों में लगी और आग पूरे इलाके में फैल गई। संपूर्ण इलाके में बहुत काला धुवाओं में छा गई। सिलापथार से आए दो अग्निशामन गाड़ी के मदद से आग बुझाई लेकिन प्लांट पूरी तरह से जल गया। प्लांट के मालिक प्रशांत शाइकिया ने बताया कि आग से प्लांट को 18 लाख रुपये से ज़्यादा का नुकसान हुआ है। यह प्लांट दो भाइयों, प्रशांत शाइकिया और इंडियन आर्मी के जवान जितेंद्र शाइकिया ने चार महीने पहले खरीदा था। अचानक लगी आग में प्लांट जलकर खाक हो गया और दोनों भाई बहुत मुश्किल में हैं। दोनों भाइयों ने सरकार से प्लांट को फिर से बनाने में मदद करने की अपील की है।

अनपरा अज्ञात वाहन की टक्कर से 10 वर्षीय मासूम की मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर लगाया जाम

अनपरा (सोनभद्र)। औद्योगिक क्षेत्र अनपरा में मंगलवार की सुबह एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। एक अनियंत्रित अज्ञात वाहन की चपेट में आने से 10 वर्षीय बालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार होने में सफल रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान टोनी (10 वर्ष) पुत्र बबलू साहनी, निवासी ग्राम सिदहवा के रूप में हुई है। घटना मंगलवार सुबह करीब 10:15 बजे की है। मासूम टोनी सड़क किनारे था, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टोनी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की खबर मिलते ही ग्रामीण और स्थानीय रहवासी आक्रोशित हो उठे। पुलिस और प्रशासन की कार्यप्रणाली के खिलाफ नारेबाजी करते हुए ग्रामीणों ने बालक के शव को सड़क पर रखकर चक्का जाम कर दिया। सड़क जाम होने के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। ग्रामीणों की मांग थी कि आरोपी चालक की तत्काल गिरफ्तारी हो और पीड़ित परिवार को मुआवजा दिया जाए। सूचना मिलते ही अनपरा पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची। आक्रोशित भीड़ को समझाने और जाम खुलवाने में पुलिस को करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस द्वारा अज्ञात वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और उचित कानूनी कार्रवाई का आश्वासन देने के बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार वाहन की तलाश के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

नोएडा में साइबर ठगों ने पूर्व ब्यूरोक्रेट को बनाया शिकार, चालान का मैसेज भेजकर ठगे 1.91 लाख रुपये

नोएडा। नोएडा में साइबर ठगों ने सेक्टर-15ए में रहने वाले पूर्व आईएएस को चालान का मैसेज भेजकर 1.91 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। बताया कि ठग उनसे जून 2022 में भी बिजली बिल बकाया होने के नाम पर 99 हजार रुपये की ठगी कर चुके हैं। नोएडा सेक्टर-15ए में रहने वाले जगमोहन लाल बजाज सेवानिवृत्त आईएएस हैं। पीड़ित पूर्व आईएएस के अनुसार, उनके मोबाइल पर 29 दिसंबर को अनजान नंबर से एक मैसेज आया। उसमें निर्धारित गति से वाहन चलाने पर चालान काटे जाने संबंधी जानकारी थी। अतिरिक्त जुर्माने से बचने के लिए तत्काल भुगतान करने की चेतावनी दी हुई थी। उन्होंने मैसेज को नजरअंदाज कर दिया, लेकिन पांच जनवरी को परिवहन मंत्रालय अलर्ट के नाम से एक और मैसेज प्राप्त हुआ। उन्होंने मैसेज को वास्तविक समझते हुए ऑनलाइन ही प्रक्रिया पूरी करने लगे। ठगों ने कार नंबर की जानकारी लेते हुए फार्म भरवाया।

ट्रंप के आगे खामनेई का सरेंडर! न्यूक्लियर प्रोग्राम रोकने पर ग्रीन सिग्नल?US से डील के लिए तेहरान ने बदला अपना रुख

● **अधिकारियों ने न्यूयॉर्क टाइम्स (एनवाईटी) को बताया कि ट्रंप द्वारा हमले की धमकियों के मद्देनजर अमेरिका के साथ तनाव कम करने के लिए तेहरान अपने मौजूदा रुख से पीछे हटने को तैयार है।**

हालांकि, उन्होंने कहा कि पिछले साल अमेरिका द्वारा इजरायल के साथ 12 दिनों के युद्ध और वाशिंगटन द्वारा उसके परमाणु संयंत्रों पर हमले से पहले पेश किया गया वैकल्पिक प्रस्ताव कहीं अधिक व्यवहार्य विकल्प होगा। इस प्रस्ताव के अनुसार, परमाणु ऊर्जा का उपयोग करके बिजली उत्पादन के लिए एक संघ बनाया जाएगा, जिसमें यूरेनियम संवर्धन ईरान के बाहर किया जाएगा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ईरान और अमेरिका के बीच तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के लिए सहमति की खबरों के बीच, ईरानी अधिकारियों का कहना है कि दोनों देशों के बीच तनाव कम करने के लिए तेहरान अपना परमाणु कार्यक्रम निलंबित या बंद कर सकता है। यह वाशिंगटन के साथ किसी भी समझौते में यूरेनियम संवर्धन को रोकने से इनकार करने के ईरान के निरंतर रुख के बिल्कुल विपरीत है। अधिकारियों ने न्यूयॉर्क टाइम्स (एनवाईटी) को बताया कि ट्रंप द्वारा हमले की धमकियों के मद्देनजर अमेरिका के साथ तनाव कम करने के लिए तेहरान अपने मौजूदा रुख से पीछे हटने को तैयार है। हालांकि, उन्होंने कहा कि पिछले साल अमेरिका द्वारा इजरायल के साथ 12 दिनों के युद्ध और वाशिंगटन द्वारा उसके परमाणु संयंत्रों पर हमले से पहले पेश किया गया वैकल्पिक प्रस्ताव कहीं अधिक व्यवहार्य विकल्प होगा। इस प्रस्ताव के अनुसार, परमाणु ऊर्जा का उपयोग करके बिजली उत्पादन के लिए एक संघ बनाया जाएगा, जिसमें यूरेनियम संवर्धन ईरान के बाहर किया जाएगा।

बीते कुछ हफ्तों से वह ईरानी जनता को चेतावनी दे रहे थे कि देश में हालात उनके नियंत्रण से बाहर हो चुके हैं। यह बयान इस बात का भी संकेत देता है कि उन्हें अमेरिका के साथ बातचीत के लिए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खोमेनेई का समर्थन मिला है, जिन्होंने पहले ऐसे किसी भी संवाद को खारिज कर दिया था। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान और अमेरिका किसी समझौते तक पहुंच पाएंगे या नहीं, खासकर इसलिए क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बातचीत की किसी भी प्रक्रिया में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को अपनी प्रमुख मांगों में शामिल कर रखा है।

ट्रंप ने जून में इजराइल द्वारा शुरू किए गए 12 दिवसीय युद्ध के दौरान ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर बमबारी के आदेश दिए थे। पेजेशकियान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अंग्रेजी और फ़ारसी में लिखा कि यह फैसला ''क्षेत्र के मित्र देशों की ओर से अमेरिका के राष्ट्रपति के बातचीत के प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देने के अनुरोध'' पर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मैंने अपने विदेश मंत्री को निर्देश दिया है कि यदि उपयुक्त माहौल हो यानी धमकियों और अनुचित अपेक्षाओं से मुक्त वातावरण, तो वह गरिमा, विवेक और दूरदर्शिता के सिद्धांतों के अनुरूप तर्कसंगत और न्यायसंगत बातचीत को आगे बढ़ाएं।' अमेरिका ने अभी यह स्वीकार नहीं किया है कि इस तरह की कोई बातचीत होने जा रही है।

चेक बाउंस केस में बढ़ीं एक्टर राजपाल यादव की मुश्किलें, दिल्ली HC ने सरेंडर का दिया आदेश

» **दिल्ली हाई कोर्ट ने अभिनेता राजपाल यादव को लगाई फटकार।**

» **चेक बाउंस मामलों में आत्मसमर्पण का दिया निर्देश।**

» **समझौते की रकम भुगतान से बार-बार मुकरे थे अभिनेता।**

नई दिल्ली। चेक बाउंस के मामलों में समझौता की रकम के भुगतान के संबंध में अदालत के समक्ष दिए गए बयान से बार-बार मुकरने से नाराज दिल्ली हाई कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाते हुए बालीवुड अभिनेता राजपाल यादव को जेल अधीक्षक के सामने आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि अभिनेता का बर्ताव निंदनीय है। पीठ ने रिकार्ड पर लिया कि अदालत द्वारा कई मौके और काफी नरमी दिखाने के बावजूद राजपाल यादव ने शिकायतकर्ता कंपनी मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड को किए गए पेमेंट के वादों को पूरा नहीं किया। सोमवार को सुनाए गए निर्णय की प्रति मंगलवार को उपलब्ध हुई।

विधायक विषेश रवि ने क्षेत्र में 39 नई एलेडी लाइटों का उद्घाटन किया किशनगंज आजाद मार्केट रौशनी से गुलजार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
बादल हुसैन

नई दिल्ली, दिल्ली में उर्जा बचत और बेहतर रोशनी के लिए बड़े पैमाने पर एलेडी लाइटें लगाई जा रही है।आम आदमी पार्टी के विधायक विषेश रवि ने 39 नई एलेडी लाइटों का उद्घाटन किया। जिससे सदियों से अंधेरे में डूबा मुख्य मार्ग अब दूधिया रोशनी से गुलजार हो गया है,इस पहल से विधानसभा क्षेत्र में गौशाला रोड,मानक पुरा,डोरी वाला, रत्न नगर, एवं गौशाला रोड से किशनगंज फाटक की ओर आजाद मार्केट चौक मार्ग पर लाखों निवासियों, राहगीरों और रात्रियो को सुरक्षा व बेहतर सुविधा मिलेगी।इस अवसर पर विधायक विषेश रवि ने बताया कि इस प्रकाश से असामाजिक गतिविधियों पर भी अंकुश लगेगा, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा और भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित होगा। यह पहल नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखकर की गई है। उन्होंने बताया कि इस स्थान पर लंबे समय से बेहतर प्रकाश व्यवस्था की महसूस की जा रही थी । लेकिन अब अंधेरों को उजाला में परिवर्तन कर दिया है। विधायक के इस पहल से स्थानीय लोगों ने सराहना की। इस मौके पर जन प्रतिनिधि विभागीय अधिकारी स्थानीय निवासी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

10 फरवरी से शुरू होगा फाइलेरिया उन्मूलन अभियान, घर-घर खिलाई जाएगी ट्रिपल ड्रग थेरेपी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया। जनपद को फाइलेरिया मुक्त बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत 10 फरवरी से 28 फरवरी तक ट्रिपल ड्रग थेरेपी (आईडीए) अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान पात्र लोगों को आइवर्मेक्टिन, डीईसी और अल्बेंडाजॉल दवाएं स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा घर-घर जाकर अपने सामने खिलाई जाएंगी। अभियान की तैयारियों को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स की दूसरी बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने फाइलेरिया उन्मूलन को अत्यंत महत्वपूर्ण जनस्वास्थ्य अभियान बताते हुए सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध कार्ययोजना पर काम करने के निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि अभियान की सफलता के लिए जनजागरूकता बेहद आवश्यक है। उन्होंने स्कूलों और कॉलेजों में प्रार्थना सभाओं के माध्यम से बच्चों को जागरूक करने, ग्राम प्रधानों और कोटेदारों से जागरूकता गतिविधियां संचालित कराने तथा अभियान के दिन समुदाय के समक्ष स्वयं दवा सेवन कर उदाहरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय यादव ने बताया कि फाइलेरिया एक गंभीर लेकिन रोकी जा सकने वाली बीमारी है, जिसके लक्षण 5 से 15 वर्षों बाद सामने आते हैं। यह मच्छरों के काटने से फैलती है और हाथ, पैर, स्तन व अंडकोष में सूजन जैसी समस्याएं उत्पन्न कर व्यक्ति को दिव्यांग बना सकती है। उन्होंने कहा कि इससे बचाव के लिए वर्ष में एक बार दवा का सेवन अनिवार्य है।

वेक्टर जनित रोगों के नोडल अधिकारी डॉ. अभिषेक मिश्रा ने बताया कि आईडीए अभियान के तहत एक वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर सभी को दवा खिलाई जाएगी। किसी भी स्थिति में दवा का वितरण नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फैलने वाला संक्रामक रोग है, जिसे आम भाषा में हाथीपांव कहा जाता है।

जिला मलेरिया अधिकारी राजीव त्रिपाठी ने जानकारी दी कि जनपद में अब तक फाइलेरिया के 4264 मरीज चिन्हित किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत दी जाने वाली दवाएं पूरी तरह सुरक्षित और प्रभावी हैं। दवा सेवन के बाद चक्कर आना, उल्टी या खुजली जैसे हल्के दुष्प्रभाव इस बात का संकेत हो सकते हैं कि शरीर में मौजूद कीटाणु नष्ट हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि लगातार पांच वर्षों तक वर्ष में एक बार दवा सेवन करने से फाइलेरिया संक्रमण से पूरी तरह बचाव संभव है। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ पंचायती राज, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, अल्पसंख्यक कल्याण, आपूर्ति विभाग के अधिकारी तथा डब्ल्यूएचओ, पाथ, पीसीआई और सीफार संस्था के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

असम के उत्तर करीमगंज में अल्पसंख्यक मतदाताओं के मजबूत जनसमर्थन के साथ महिला उम्मीदवार के रूप में मुन्नी छेत्री आगे बढ़ रही हैं

● **विपक्षी दल नहीं चाहता कि मुननी छेत्री उत्तर करिमगंज में बीजेपी पार्टी का टिकट पाए।**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि उल्लेखनीय है कि 2026 के चुनाव जैसे-जैसे नज़दीक आ रहे हैं, पूरा राज्य के साथ तालमेल बनाते हुए बराक घाटी में भी राजनीतिक उत्साह बढ़ रहा है। विपक्षी दल के साथ-साथ शासक दल के नेताओं की ओर से भी विभिन्न जगहों पर जनसंपर्क जारी है। राज्य के मुख्यमंत्री के एक के बाद एक कठोर भाषणों में, अल्पसंख्यक मुस्लिम मतदाताओं की अधिकता वाले केंद्रों में शासक दल के नामचीन नेता संकट में हैं। जिसमें उत्तर करिमगंज सीट को लेकर भी शासक और विपक्षी दल के नेताओं में काफी हलचल है। एक ओर विपक्षी दल कांग्रेस/ढ्रुष्ठस्न में पिछले दिनों वोट देकर पीड़ित जनता नए चेहरे की तलाश कर रही है, ठीक दूसरी ओर शासक दल के स्थानीय नेताओं की उदासीनता से जर्जर अल्पसंख्यक मुस्लिम मतदाता भी चाहते हैं कि शासक दल से ऐसा भरोसेमंद व्यक्तित्व आये जो युवा पीढ़ी से हो और जिसमें दोनों प्रकार की क्षमताएं हों। समुदाय के प्रति स्वीकार्यता और जिम्मेदारी हों। इस मामले में स्थानीय नेताओं को काफी गति प्राप्त करनी पड़ रही है। क्योंकि कई ऐसे लोग हैं पुराने व्यक्तित्व जिनकी मानसिकता और काम में युवाओं की सक्रियता का प्रभाव नहीं है, वहीं कई ऐसे हैं जो उम्र में युवा और नए चेहरा हैं लेकिन समुदाय के दोनों पक्षों के मतदाताओं में स्वीकार्यता नहीं रखते। फिर कई ऐसे हैं कि पहले विभिन्न राजनीतिक जनप्रतिनिधियों के कार्यकाल में कार्य करने पर जनता संतुष्ट नहीं थी, इसलिए उन्हें दूसरा या तीसरा अवसर देने के लिए मतदाता नाराज हैं। लेकिन इन सभी राजनीतिक उथल-पुथल के बीच लंबे समय से समाज सेवा में लगे समाजसेवी मुन्नी चेत्री को एक महिला टिकट प्रत्याशी के रूप में संभावनाशील माना जा रहा है और हिंदू-मुस्लिम दोनों समुदायों में से यह नाम चुनावी परिदृश्य में उभर रहा है। पूरे बराक घाटी में समाजसेवी मुन्नी चेत्री अब तक राजनीतिक क्षेत्र में आम जनता की पहली पसंद के रूप में हैं, जिन्हें भाजपा पार्टी या निर्दलीय रूप में हिंदू-मुस्लिम दोनों समुदायों के लोग भारी मत देने के लिए उत्साहित होते देख रहे हैं। यहां तक कि मुन्नी चेत्री के जनसमर्थन में पार्टी के नीतिगत निर्देशों की अनदेखी भी कर कई कांग्रेस के मतदाताओं ने भी खुलकर कहा कि अगर मुन्नी छेत्री को बीजेपी का टिकट मिलता है तो हमें बीजेपी को भी वोट देना पड़ेगा ताकि मुन्नी छेत्री के आदर्श और समाज सेवा के प्रति उनकी जिम्मेदारी का सम्मान किया जा सके। दूसरी ओर, विशेष सूत्रों की खबर है कि विपक्षी दल भी नहीं चाहता कि दोनों समुदायों में स्वीकृति रखने वाले समाज कार्यकर्ता मुन्नी छेत्री को बीजेपी से टिकट मिले। क्योंकि लंबे समय से की जा रही समाज सेवा के माध्यम से उन्हें अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय में विशेष स्वीकृति और प्रभाव प्राप्त है। अब देखने वाली बात है कि उत्तर करीमगंज से हाईकमान किस पर मेहरबान होता है और टिकट किसे मिलता है।

महिला अधिवक्ता से मारपीट पर भड़के दुद्धी के वकील, लोढ़ी टोल प्लाजा पर कार्रवाई की उठी मांग

● **दो टोल प्लाजा के संचालन को बताया नियमों के विरुद्ध, बार एसोसिएशन ने सौंपा ज्ञापन**

दुद्धी (सोनभद्र)। लोढ़ी टोल प्लाजा पर एक महिला अधिवक्ता के साथ टोल कर्मियों द्वारा कथित तौर पर की गई मारपीट और अभद्रता की घटना ने तूल पकड़ लिया है। इस मामले को लेकर दुद्धी के अधिवक्ताओं में भारी आक्रोश व्याप्त है। बुधवार को सिविल बार एसोसिएशन और दुद्धी बार एसोसिएशन के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने सोनभद्र बार एसोसिएशन के अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। अधिवक्ताओं ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे पूरे अधिवक्ता समाज के सम्मान से जुड़ा विषय बताया। प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि लोढ़ी टोल प्लाजा पर तैनात कर्मचारी न केवल आम जनता के साथ दुर्व्यवहार करते हैं, बल्कि आए दिन मनमानी वसूली की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। अधिवक्ताओं ने जिला प्रशासन से मांग की है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोषी कर्मियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाए। सौंपे गए ज्ञापन में अधिवक्ताओं ने एक गंभीर तकनीकी मुद्दा भी उठाया। उनका कहना है कि बहुत कम दूरी के भीतर दो टोल प्लाजा का संचालन किया जा रहा है, जो सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के मानकों और नियमों के पूरी तरह विपरीत है। अधिवक्ताओं ने इन अवैध टोल प्लाजा को तत्काल बंद कराने की मांग उठाई है ताकि जनता को इस अनावश्यक आर्थिक बोझ और कर्मियों की बदसलूकी से निजात मिल सके। प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने के दौरान युवा अधिवक्ताओं ने अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर मुख्य रूप से रजनीश कुमार, अभिनव जयसवाल, आदर्श जायसवाल, कार्तिक यादव, मनोज यादव, आशुतोष मिश्रा सहित दर्जनों अधिवक्ता मौजूद रहे। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि जिला प्रशासन और पुलिस ने जल्द ही ठोस कार्रवाई नहीं की, तो अधिवक्ता समाज व्यापक आंदोलन के लिए विवश होगा।

राज्यसभा में कांग्रेसने सरकार पर लगाया कथनी और करनी में अंतर का आरोप, पूछा- कौन सा वादा पूरा किया गया?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर पेश किए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा ले रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि 2014 में नरेन्द्र मोदी सरकार ने 'सबका साथ सबका विकास' कहा, 2019 में इसमें 'सबका विश्वास' विश्वास जोड़ दिया और अब इसमें 'सबका प्रयास' जोड़ा गया है। उन्होंने कहा ''मैं जानना चाहता हूं कि क्या सबका साथ, सबका विकास में मुस्लिम, इसाई, दलित, आदिवासी शामिल हैं? आप जो कह रहे हैं, उससे आपकी नीतियां बिल्कुल अलग हैं।'' दिग्विजय सिंह ने दावा किया कि न प्रधानमंत्री को सबका साथ मिला, न उन्होंने सबका विकास किया। उन्होंने सवाल किया ''देश में सामाजिक सौहार्द की जरूरत है लेकिन सामाजिक सौहार्द कहां है? क्या सबको साथ में लेकर चला जा रहा है? धर्म देख कर बुलडोजर से घर गिराया जा रहा है। दोषी का कसूर होता है, लेकिन उसके परिवार का क्या कसूर होता है?'' उन्होंने सोनम वांगचुक का नाम लिए बिना उनके मामले का जिक्र किया और कहा कि क्या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आज है क्योंकि आवाज उठाने पर सजा मिलती है।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि चीन के साथ भारत के सैन्य तनाव का जो विषय कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दूसरे सदन में उठाने का प्रयास किया था, प्रधानमंत्री को उसका जवाब देना चाहिए। देश में आर्थिक असमानता बढ़ने का दावा करते हुए सिंह ने कहा कि भारत में दस व्यक्ति 58 फीसदी संपत्ति पर हक रखते हैं और यह वाक्य ही अपने आप में बहुत कुछ कहता है। उन्होंने कहा कि कारपोरेट जगत के लोग जितना कर देते हैं, उससे कहीं अधिक कर आम आदमी भर रहा है, लेकिन फायदा आम आदमी को नहीं बल्कि कारपोरेट जगत के लोगों को हो रहा है।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि आज अनुसूचित जाति जनजाति के लोग परेशान हैं, उनकी रिक्तियां लंबित हैं, उन्हें भरा नहीं गया है। ''संवैधानिक अधिकारों को कम किया जा रहा है लेकिन हमारे मूलभूत अधिकारों को हल्का नहीं करना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि काला धन वापस लाने, नकली नोटों का चलन बंद होने, आतंकवाद समाप्त होने के वादे धरे रह गए। उन्होंने पूछा कि रोजगार कहां हैं, रोजगार लगातार घट रहे हैं और बेरोजगारी बढ़ रही है। ''भ्रष्टाचार खत्म करने का वादा भी केवल वादा ही रहा। किसानों की आमदनी बढ़ाने का वादा था, आमदनी नहीं बढ़ी। किसानों के एमएसपी की गारंटी का वादा भी अधूरा है। सत्ता पक्ष बताए कि क्या सरकार ने अपना एक भी वादा पूरा किया है, अगर किया है तो वह कौन सा वादा है?''

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि देश के लोकतंत्र पर खतरा है क्योंकि आजादी के बाद देश में जो सौहार्दपूर्ण माहौल बनाया गया था वह धीरे धीरे खत्म किया जा रहा है और कट्टरपंथी ताकतें धीरे धीरे हावी हो रही हैं। उन्होंने कहा कि कारपोरेट जगत जहां फलफूल रहा है वहीं गांवों में मजदूरों की मजदूरी ही नहीं बढ़ पाई। यहां तक कि मनरेगा में उनके लिए राहत थी जो आज खत्म कर दी गई है।

THAR ड्राइवर ने फुटपाथ पर खड़ी कार-बाइक को रौंदा, ग्रेटर नोएडा में टला बड़ा हादसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। शीशे पर काली फिल्म चढ़ाए नशे में थार के चालक ने सड़क किनारे फुटपाथ पर कार और उसके पीछे खड़ी बाइक में टक्कर मार कर क्षतिग्रस्त कर दिया। गनीमत रही की कार और बाइक पर कोई सवार नहीं था, इससे बड़ा हादसा टल गया। घटना पास में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर थार वाहन कब्जे में लेकर सीज की है।

घटना बीटा दो कोतवाली क्षेत्र के सेक्टर अल्फा वन की है। ई-238 निवासी शिवम मिश्र के मकान के सामने रोड की दूसरी तरफ फुटपाथ है। फुटपाथ पर उन्होंने अपनी कार और उसके पीछे बाइक खड़ी की थी। सोमवार दोपहर करीब 1.40 बजे तेज रफ्तार कार चालक ने कार में टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर से कार पीछे खड़ी बाइक से टकरा गई। इससे उनके दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद आरोपी थार चालक वाहन समेत मौके से भाग निकला। शिवम ने बताया कि कुछ देर पहले ही वह गाड़ी से निकल कर घर पहुंचे थे। यदि गाड़ी में होते तो हादसे का शिकार होने की आशंका थी। बताया कि चालक नशे में था। उसने कार के शीशे पर प्रतिबंधित काली फिल्म चढ़ा रखी थी। गाड़ी नंबर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया घटना स्थल की जांच कर सीसीटीवी फुटेज खंगाले थे। आरोपी की पहचान युवराज निवासी ग्राम सपनावत, जनपद हापुड़ के रूप में हुई। आरोपी को गिरफ्तार कर थार वाहन भी कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

राबर्ट्सगंज नैनो उर्वरकों के प्रयोग से बढ़ेगी पैदावार और घटेगी लागत, कृषि कार्यशाला में विशेषज्ञों ने दिए टिप्स

● **विश्व आर्द्रभूमि दिवस पर आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों को किया गया सम्मानित**

राबर्ट्सगंज (सोनभद्र)। खेती-किसानी में आधुनिक तकनीक और उन्नत उर्वरकों के महत्व को रेखांकित करने के उद्देश्य से मंगलवार को राबर्ट्सगंज ब्लॉक सभागार में एक दिवसीय कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। विश्व आर्द्रभूमि दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यशाला में कृषि विशेषज्ञों ने नैनो यूरिया और नैनो डीएपी जैसी क्रांतिकारी तकनीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इफको (IFFCO) मुख्यालय के क्षेत्रीय प्रबंधक अक्षय कुमार पाण्डेय ने बताया कि नैनो यूरिया और नैनो डीएपी न केवल फसल की गुणवत्ता बढ़ाते हैं, बल्कि ये पर्यावरण के अनुकूल भी हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पारंपरिक उर्वरकों की तुलना में इनकी कम मात्रा अधिक प्रभावी होती है, जिससे किसानों की लागत में भारी कमी आती है। इफको क्षेत्राधिकारी अभिजीत मौर्य ने सागरिका और NPK कंसोर्टिया के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ये उत्पाद मृदा (मिट्टी) के स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक हैं। सहायक आयुक्त सहकारिता देवेन्द्र कुमार सिंह ने कृषि में सहकारी प्रणाली की उपयोगिता पर बल देते हुए किसानों को आधुनिक तकनीकों को अपनाने हेतु प्रेरित किया। कार्यशाला के दौरान उन प्रगतिशील किसानों को माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपनी

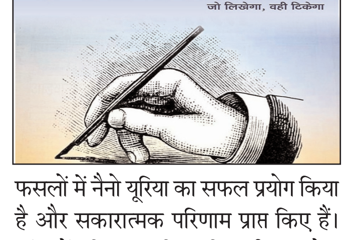

फसलों में नैनो यूरिया का सफल प्रयोग किया है और सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए हैं। अंत में, जिला कृषि अधिकारी कमलेश कुमार सिंह ने अतिथियों को अंगवस्त्र भेंट कर आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

तेज रफ्तार डंपर ने स्कूटी को मारी टक्कर, युवक की मौत, साथी गंभीर

रायबरेली। डलमऊ कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। कुटिया चौराहे के पास भरसना मोड़ पर तेज रफ्तार और अनियंत्रित डंपर ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान ग्राम बेला टेकई निवासी अनुज शुक्ला (पुत्र इंद्र कुमार शुक्ला) के रूप में हुई है। वह अपने साथी दिवाकर तिवारी के साथ स्कूटी से मुराईबाग जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही स्कूटी भरसना मोड़ पर पहुंची, सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अनुज शुक्ला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पीछे बैठे दिवाकर तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के दौरान दूसरी दिशा से आ रहा एक अन्य डंपर भी दुर्घटना से बचने के प्रयास में अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर डलमऊ कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। कोतवाली प्रभारी राघव सिंह ने बताया कि पंचायतनामा की कार्यवाही पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक अनुज शुक्ला अपने पीछे पत्नी और दो बच्चों को छोड़ गए हैं। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतक के भाई मनोज शुक्ला ने बताया कि दोनों मुराईबाग खाना बनाने के सिलसिले में जा रहे थे।

रहीमाबाद थाना क्षेत्र में युवक की गुमशुदगी: सुरेंद्र कुमार हरदोई मंडी गए, फिर लापता

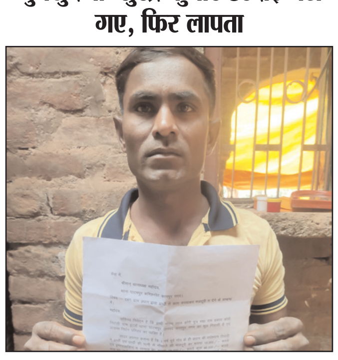

मलिहाबाद/रहीमाबाद थाना क्षेत्र के जमोलिया गांव का 28 वर्षीय सुरेंद्र कुमार रविवार की सुबह करीब 10 बजे घर से निकला था। उसने परिवार को बताया कि वह हरदोई मंडी जा रहा है। अपनी बहन से उसने कहा था कि मंडी में गल्ला (अनाज) खरीदेगा और फिर घर लौट आएगा।लेकिन शाम होते-होते भी सुरेंद्र घर नहीं पहुंचा। रात हो गई, फिर भी कोई खबर नहीं। परिवार वाले बहुत घबरा गए।सोमवार शाम को परिवार ने रहीमाबाद थाने में जाकर तहरीर दी। छोटे भाई वीरेन कुमार ने बताया कि सुरेंद्र का मोबाइल फोन रविवार दोपहर के बाद से बंद है। लोकेशन चेक करने पर पता चला कि फोन की आखिरी लोकेशन बरेली शहर में दिखी थी। उसके बाद कोई सुराग नहीं मिल रहा।थानाध्यक्ष अरुण कुमार त्रिगुणायक ने तुरंत गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब बरेली, हरदोई मंडी और आसपास के इलाकों में सुरेंद्र की तलाश कर रही है। कई टीमें लगाई गई हैं।परिवार बहुत परेशान है। मां-बहन और छोटे भाई बार-बार रो रहे हैं। वे सभी से गुहार लगा रहे हैं कि अगर कहीं सुरेंद्र कुमार को देखें या उसके बारे में कोई जानकारी मिले तो तुरंत रहीमाबाद थाना पुलिस से संपर्क करें।

सूचना

मैं विपिन कुमार पुत्र प्यारेलाल सूचित करता हूँ कि मेरा हाईस्कूल का अंकपत्र सह प्रमाणपत्र अनुक्रमांक 1271777 वर्ष 2012 व इंटरमीडिएट का अंकपत्र सह प्रमाणपत्र अनुक्रमांक 0952456 वर्ष 2014 वास्तव में खो गया है। पता- ग्राम मिश्रीखेड़ा, मजरे पुरवामान, पोस्ट व थाना अतरौली, तहसील सण्डीला, जिला हरदोई।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम हिमांशु पुत्र सूर्यबली स्थायी निवासी ओबरा कॉलोनी, थाना ओबरा जनपद सोनभद्र का स्थायी निवासी हूँ मेरे पुत्र अंश सरोज (ANSH SAROJ) का नाम आधार कार्ड में त्रुटि की वजह से ANSI SAROJ दर्ज हो गया है जो कि गलत है द्य जबकि मेरा सही नाम अंश सरोज (ANSH SAROJ) है अतः भविष्य में मुझे अंश सरोज (ANSH SAROJ) जो कि सही है इसी नाम से जाना और पहचाना जाए

सीतापुर में न्यायालय अभिरक्षा से फरार हुआ विचाराधीन बंदी, पॉक्सो कोर्ट में पेशी के दौरान हुआ फरार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में कोतवाली नगर इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देते हुए एक विचाराधीन बंदी न्यायालय अभिरक्षा से फरार हो गया। जिला जेल से पेशी पर लाए गए बंदी को पॉक्सो कोर्ट में प्रस्तुत किया गया था। पेशी के दौरान वापस आते ही बंदी पुलिस अभिरक्षा से चकमा देकर फरार हो गया जिससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। आरोपी की तलाश के लिए पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही है। फरार बंदी की पहचान रोहित मारुति पुत्र स्वर्गीय रामू निवासी मछली मंडी, कोतवाली नगर क्षेत्र के रूप में हुई है कोतवाली नगर इलाके से आरोपी को 21 जनवरी 2026 को नाबालिग लड़की को भगाने के आरोप में गिरफ्तार कर जिला जेल भेजा गया था उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज है। बताया जा रहा है कि रोहित मारुति पर पहले से ही चोरी के कई पुराने मुकदमे दर्ज हैं मंगलवार को उसे जिला जेल से न्यायालय में पेशी के लिए लाया गया था। पॉक्सो कोर्ट में पेशी के दौरान किसी तरह पुलिस की नजर से बचते हुए आरोपी फरार हो गया। बंदी के फरार होने की जानकारी मिलते ही पुलिस विभाग में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अनूप शुक्ला, क्षेत्राधिकारी नगर विनायक भोसले सहित पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और न्यायालय परिसर का मुआयना किया। बंदी के फरार होने की परिस्थितियों की जांच की जा रही है, वहीं ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों से भी पूछताछ की जा रही है। फरार बंदी की तलाश के लिए शहर में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। वहीं स्वाट टीम सहित कई थानों की पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है। जिले की सीमाओं पर नाकाबंदी कराई गई है और संदिग्ध स्थानों पर दबिश दी जा रही है पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस घटना ने एक बार फिर न्यायालय और बंदी सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं!!

आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार दौड़ती कार का टायर फटा, एक महिला घायल

दुर्घटना/हादसा

फतेहाबाद (आगरा)। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर थाना डौकी क्षेत्र में मंगलवार को एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। किलोमीटर संख्या 9 पर चलती कार का अचानक टायर फट गया, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर रेलिंग से टकरा गया। हादसे में कार में सवार एक महिला घायल हो गई, जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। कार चालक ललित राजपूत लखनऊ से मथुरा की ओर जा रहे थे। वाहन में सवार महिला बांके बिहारी के दर्शन के लिए निकली थीं। अचानक टायर फटने से तेज धमाका हुआ और कार सड़क पर लहराते हुए रेलिंग से जा टकराई। हादसे के बाद एक्सप्रेस-वे पर कुछ देर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, पुलिस का कहना है कि समय रहते नियंत्रण होने से बड़ा हादसा टल गया।

पुल की रेलिंग तोड़ कर नदी में गिरा ट्रक कोहरे में चालक को सड़क पर नहीं दिखा गहरा गड्ढा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में पीडब्ल्यूडी की लापरवाही एक बार फिर बड़े हादसे की वजह बन गई। डुमरियागंज से हरदोई जा रहा धान की बोरियों से लदा एक ट्रक रामपुर मथुरा-महमूदाबाद मार्ग पर बाबा कुटी पुल के पास कोहरे के चलते अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरा गनीमत रही कि चालक की सूझबूझ से कोई जनहानि नहीं हुई ट्रक जैसे ही बाबा कुटी पुल से पहले पहुंचा, सड़क पर बने गहरे गड्ढे में उसका पहिया फंस गया। अचानक झटके से ट्रक चालक का संतुलन बिगड़ गया और तेज रफ्तार के कारण वाहन पुल की रेलिंग तोड़ता हुआ करीब 20 फीट नीचे नदी में जा गिरा हादसे के दौरान ट्रक पहले एक पेड़ से टकराया और फिर पीछे की ओर खिसकते हुए नदी में पलट गया हादसे में ट्रक को भारी नुकसान पहुंचा है वहीं धान की कई बोरियां नदी में बह गईं। ट्रक चालक प्रदीप सिंह ने बताया कि गड्ढे में पहिया पड़ते ही ट्रक बेकाबू हो गया हालात बिगड़ते देख उन्होंने समय रहते ट्रक से कूदकर अपनी जान बचाई। ट्रक में सवार चालक और कंडक्टर दोनों सुरक्षित हैं। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश देखने को मिला। ग्रामीणों का आरोप है कि बाबा कुटी पुल से पहले सड़क पर बना यह गहरा गड्ढा लंबे समय से हादसों को दावत दे रहा है कई बार पीडब्ल्यूडी को शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का कहना है कि इसी स्थान पर पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं और पुल की रेलिंग टूटने की घटनाएं सामने आती रही हैं। ग्रामीणों और राहगीरों ने मांग की है कि पीडब्ल्यूडी तत्काल सड़क के गड्ढे की मरम्मत कराए, पुल की रेलिंग को मजबूत करे और चेतावनी संकेत लगाए, ताकि भविष्य में किसी बड़े और जानलेवा हादसे को रोका जा सके!!

दुकान पर गैस सिलेंडर लीक लगी आग मची अफरा-तफरी, दमकल कर्मियों ने पाया आग पर काबू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के तम्बौर कस्बे में मंगलवार शाम को उस समय अफरा-तफरी मच गई। जब बस स्टॉप पर बाबा बुरहानुद्दीन के पास पुरानी बाजार रोड स्थित एक दुकान में एलपीजी गैस सिलेंडर लीक होने से भीषण हादसा हो गया। अचानक लगी आग से इलाके में हड़कंप मच गया और कुछ देर के लिए अफरा तफरी जैसी स्थिति बन गई। जानकारी के अनुसार, एक ग्राहक दुकान पर चूल्हा बनवाने आया था। चूल्हा बनवाने के दौरान अचानक एलपीजी गैस का रिसाव शुरू हो गया। गैस की गंध फैलते ही लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही गैस ने आग पकड़ ली और देखते ही देखते तेज लपटें उठने लगीं चूल्हा बनाने वाले दुकानदार ने बताया कि गैस रिसाव अचानक हुआ और आग तेजी से फैल गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास मौजूद लोग दहशत में आ गए। कई लोग दुकान और आसपास की दुकानों से बाहर निकलकर आग बुझाने के लिए इधर-उधर भागने लगे स्थानीय लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए बालू और मिट्टी डालकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग की तीव्रता के चलते उस पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड को अवगत कराया गया। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया दमकल कर्मियों की तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया, क्योंकि यदि आग सिलेंडर तक पूरी तरह पहुंच जाती तो स्थिति और भयावह हो सकती थी। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, जो राहत की बात रही। हालांकि आग लगने से दुकान में रखा सामान क्षतिग्रस्त हो गया और आसपास के क्षेत्र में काफी देर तक दहशत का माहौल बना रहा। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने दुकानों में गैस सिलेंडर के सुरक्षित उपयोग और जांच की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके!!

अनियंत्रित ओमनी पंचर की दुकान में घुसी, बुजुर्ग दंपती घायल

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के राजपति नगर मजरे धनाभाद गांव में मंगलवार शाम एक बेकाबू कार सड़क किनारे बनी पंचर की दुकान में घुस गई। हादसे में दुकान पर बैठे बुजुर्ग दंपती घायल हो गए। ऊगाभाद गांव निवासी रामसागर बच्चों को स्कूल छोड़कर लौट रहे थे। इसी दौरान सड़क पर अचानक कुत्ता आ गया। कार चालक ने नियंत्रण खो दिया। ओमनी कार सीधे पंचर की दुकान में जा घुसी।हादसे में दुकान पर बैठे बुजुर्ग सीताराम और उनकी पत्नी सुंदारा को चोटें आईं। दोनों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। घटना में कार का शीशा टूट गया। जबकि पंचर की दुकान भी क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद घायल महिला के बेटे अमित और कार चालक के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई। मारपीट में दोनों पक्षों को चोटें आई है। दोनों पक्षों ने पुलिस को तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है। तहरीर के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

भारत माता मंदिर का भूमि पूजन, कीर्ति शेष कमला देवी की स्मृति में कवि सम्मेलन व अंतरराष्ट्रीय अवधी अकादमी का सम्मान समारोह गरिमामय ढंग से संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर गत दिवस कमला नारायण इंटरनेशनल स्कूल परिसर में अंतरराष्ट्रीय अवधी अकादमी के तत्वावधान में आयोजित साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक गरिमा से परिपूर्ण समारोह भव्यता के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन कीर्ति शेष कमला देवी की स्मृति को समर्पित रहा, जिसमें भारत माता मंदिर के भूमि पूजन के साथ-साथ अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का सफल आयोजन किया गया। समारोह में देश की जानी-मानी साहित्यिक विभूतियों, शिक्षाविदों, चिंतकों एवं मनीषियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। आगंतुक साहित्यकारों का स्वागत एवं सम्मान विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती आरती सारस्वत तथा श्री क्षमा भारद्वाज द्वारा बैज अलंकरण एवं अंगवस्त्र भेंट कर किया गया।

अंतरराष्ट्रीय अवधी अकादमी द्वारा साहित्यिक योगदान के लिए विशिष्ट सम्मान प्रदान किए गए। आज़ाद हिंद फौज का प्रयाण गीत तथा 'उठ जाग मुसाफिर भोर भई' जैसे कालजयी जागरण गीतों के रचयिता पं. वंशीधर शुक्ल (मन्योरा, लखीमपुर) के सुपुत्र डॉ. सत्यधर शुक्ल को पंडित विश्वनाथ स्मृति सम्मान से अलंकृत किया गया। वहीं लखनऊ की डॉ. रश्मिशील को उर्मिला देवी स्मृति सम्मान तथा सीतापुर के डॉ. शैलेंद्र कुमार शुक्ल को डॉ. भारतेंदु मिश्र स्मृति सम्मान प्रदान किया गया।

कीर्ति शेष कमला देवी की स्मृति में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन की अध्यक्षता 'संदौली टाइम्स' के संपादक श्री प्रदीप सारंग ने की। उनके सशक्त अध्यक्षीय मार्गदर्शन में देश के ख्यातिप्राप्त कवियों ने अपने काव्य पाठ से श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। कवि सम्मेलन में डॉ. वेद प्रकाश अग्निहोत्री, प्रदीप महाजन, अजय प्रधान, गौरव शुक्ल, श्री विष्णुकांत मिश्र, डॉ. रश्मिशील तथा अनुराग अतुल की काव्य प्रस्तुतियाँ विशेष रूप से सराही गईं। श्री विष्णुकांत मिश्र ने अपने काव्य के माध्यम से दिव्यांग समाज के प्रति करुणा, संवेदना और मानवीय उत्तरदायित्व के महत्व को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से रेखांकित किया।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र का कुशल संचालन 'इनते मिलौ' कार्यक्रम के ख्यातनाम एंकर एवं सुविख्यात चिंतक डॉ. चंद्रशेखर प्रजापति ने किया, जबकि अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का सधे हुए अंदाज़ में संचालन युवा कवि अविरल शुक्ल ने किया। इसी क्रम में कमला नारायण इंटरनेशनल स्कूल के मुख्य द्वार के निकट, कीर्ति शेष कमला देवी एवं स्वर्गीय शिव नारायण विभूति की समाधियों के सन्निकट भारत माता मंदिर के लिए निर्धारित स्थल पर विधिवत भूमि पूजन संपन्न हुआ। यह पावन अनुष्ठान श्री दिनेश शास्त्री एवं पं. राजित राम दीक्षित के श्रीमुख से उच्चरित वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य सम्पन्न हुआ, जिससे संपूर्ण परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से आलोकित हो उठा।

यह समारोह उत्तर प्रदेश अपराध अनुसंधान शाखा के पुलिस महानिरीक्षक डॉ. अखिलेश निगम तथा लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. पवन अग्रवाल के सभापतित्व में आयोजित हुआ। प्रथम सत्र का धन्यवाद ज्ञापन प्रो. जयशंकर तिवारी द्वारा तथा अंतिम सत्र का धन्यवाद ज्ञापन कमला नारायण इंटरनेशनल स्कूल के प्रमुख ट्रस्टी डॉ. गंगा प्रसाद शर्मा 'गुणशेखर' द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि गंज क्षेत्र के अति पिछड़े विकासखंड रामपुर मथुरा के समशेर नगर में शीघ्र प्रारंभ होने जा रहे कमला नारायण इंटरनेशनल स्कूल के प्रांगण में भारत माता मंदिर की स्थापना हेतु भूमि पूजन एवं विराट कवि सम्मेलन का यह आयोजन सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रीय भावना और साहित्यिक समृद्धि का सशक्त प्रतीक बनकर उभरा। इस महनीय आयोजन में प्रो. शैलेंद्र नाथ मिश्र (गोंडा), नीरज कुमार पांडेय (बहराइच), आकाशवाणी अवधी केंद्र के डॉ. जयंत धर द्विवेदी तथा अशोक कुमार कटेठिया (अजमेर, राजस्थान) सहित अनेक विद्वानों की उपस्थिति ने समारोह की भव्यता, दिव्यता और विराटता को और अधिक सुदृढ़ किया। आयोजन की सफलता का प्रमाण यह रहा कि क्षेत्र की जनता मनीषियों के उद्बोधनों के प्रमुख वाक्यांशों तथा कवियों की पंक्तियों को बार-बार दोहराते हुए निरंतर आनंद-विभोर दिखाई दी। कुल मिलाकर यह आयोजन साहित्य, संस्कृति, राष्ट्रभाव और सामाजिक चेतना का ऐसा संगम सिद्ध हुआ, जिसने क्षेत्रीय जनमानस पर दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ा।

राज्यपाल से आरेडिका महाप्रबंधक पीके मिश्रा ने की मुलाकात

● आरेडिका की उपलब्धियों और पुस्तक रेल्स थ्रू राज पर हुई चर्चा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका) के महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा ने मंगलवार को लखनऊ राजभवन में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात भले ही राजभवन में हुई लेकिन इसमें आरेडिका की उपलब्धियां केंद्र में रहीं। महाप्रबंधक पीके मिश्रा ने राज्यपाल को आरेडिका में अब तक बने 15 हजार से अधिक अत्याधुनिक रेल कोचों की जानकारी दी। उन्होंने आरेडिका में पहली बार निर्मित फोर्ज्ड व्हील और वंदे भारत ट्रेन के निर्माण, तकनीकी गुणवत्ता और विश्वस्तरीय मानकों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में आरेडिका के प्रयासों की जानकारी दी। बताया कि आरेडिका में भू-जल संरक्षण क्षमता बढ़कर 730 मिलियन लीटर हो गई है। सौर ऊर्जा परियोजनाओं से 5.13 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता हासिल की गई है। ये प्रयास आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आरेडिका की मजबूत भूमिका को दर्शाते हैं। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने भारतीय रेलवे के इतिहास पर आधारित अपनी पुस्तक रेल्स थ्रू राज की एक प्रति महामहिम राज्यपाल को भेंट की। उन्होंने बताया कि यह पुस्तक ब्रिटिश काल में भारतीय रेलवे के विकास को ऐतिहासिक स्रोतों और तथ्यात्मक विश्लेषण के साथ प्रस्तुत करती है। यह पुस्तक पाठकों और शोधकर्ताओं दोनों के लिए उपयोगी है। महामहिम राज्यपाल ने जनभवन में संचालित आदर्श माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा गठित जनभवन बैंड की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह बैंड पिछले तीन वर्षों से 26 जनवरी की परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने टीबी उन्मूलन और सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे अभियानों की भी सराहना की। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने पीके मिश्रा के लेखन उनकी पुस्तक और आरेडिका की उपलब्धियों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। इस अवसर पर राज्यपाल ने अपनी पुस्तकें चुनौतियां मुझे पसंद हैं और वो मुझे हमेशा याद रहेंगे भी भेंट कीं। आरेडिका के पीआरओ अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि महाप्रबंधक ने राजयपाल को आरेडिका के भ्रमण का आमंत्रण दिया। इस दौरान वरिष्ठ उप महाप्रबंधक अकमल वदूद, उप मुख्य वित्त सलाहकार अस्थानंद पाठक और महाप्रबंधक सचिव आरएन तिवारी भी मौजूद रहे।

एप्स्टीन फाइल्स में पीएम मोदी का कथित उल्लेख, कांग्रेस ने लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव पेश किया

ब्यूरो प्रयागराज। अमेरिकी यौन अपराधी जेफ़्री एप्स्टीन से जुड़ी बातचीत में प्रधानमंत्री नेरेंद्र मोदी का संदर्भ आने के बाद कांग्रेस ने इस पर तत्काल चर्चा की मांग करते हुए लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव पेश किया. अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जारी दस्तावेज़ों के अनुसार, 2017 से 2019 के बीच भारतीय कारोबारी अनिल अंबानी अमेरिकी राजनीतिक पहुंच से जुड़े मामलों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकताओं पर चर्चाओं को लेकर एप्स्टीन के संपर्क में थे। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने सोमवार (2 फ़रवरी) को लोकसभा में अमेरिकी यौन अपराधी जेफ़्री एप्स्टीन से जुड़े ईमेल दस्तावेजों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदर्भ होने का उल्लेख करते हुए 'गंभीर अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स' पर तत्काल चर्चा की मांग करते हुए स्थगन प्रस्ताव पेश किया। स्थगन प्रस्ताव के ज़रिए लोकसभा अपनी नियमित कार्यसूची को स्थगित कर सार्वजनिक महत्व के तात्कालिक मुद्दों पर चर्चा कर सकती है. इसे स्पीकर की अनुमति से पेश किया जाता है और इसका उद्देश्य ऐसे मामलों को उठाना होता है जो समय-संवेदी हों और जिन पर सरकार से तुरंत जवाब अपेक्षित हो। मौजूदा मांग अमेरिका में यौन अपराधी जेफ़्री एप्स्टीन की जांच से जुड़े हाल में जारी दस्तावेज़ों से संबंधित है।

रायबरेली रोड स्थित नवनिर्मित ओम मैरिज हॉल का हुआ भव्य उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज रायबरेली। महराजगंज-रायबरेली रोड स्थित ओम फर्नीचर, हनुमानगढ़ी में नवनिर्मित ओम मैरिज हॉल का भव्य उद्घाटन समारोह हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। उद्घाटन पूर्व विधायक रामलाल अकेला, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रभात साहू, सुनील मौर्या एवं जी.पी. मिश्रा, विमल रस्तोगी ने फीता काटकर किया। पूर्व विधायक रामलाल अकेला ने कहा,'ओम मैरिज हॉल क्षेत्रवासियों के लिए एक बेहतरीन सौगात है। यहां विवाह, इंगेजमेंट, रिसेप्शन, मीटिंग, बर्थडे पार्टी सहित सभी सामाजिक व पारिवारिक कार्यक्रमों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इससे लोगों को बाहर नहीं जाना पड़ेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार भी सृजित होगा। 'प्रभात साहू ने कहा, 'महराजगंज क्षेत्र विकास के नए आयाम छू रहा है। कैटरिंग सुविधा सहित सुसज्जित ओम मैरिज हॉल क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करेगा और सामाजिक आयोजनों के लिए एक आदर्श स्थल बनेगा। सुनील मौर्या ने अपने संबोधन में कहा,'यह मैरिज हॉल भव्य साज-सज्जा, विशाल पार्किंग, स्वच्छ वातावरण और स्वादिष्ट कैटरिंग व्यवस्था के साथ तैयार किया गया है, जिससे हर कार्यक्रम यादगार बन सके।' जी.पी. मिश्रा ने कहा, 'ऐसे आधुनिक आयोजन स्थलों से क्षेत्र की पहचान बढ़ती है। ओम मैरिज हॉल सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक आयोजनों का प्रमुख केंद्र बनेगा।उद्घाटन अवसर पर सैकड़ों लोगों की मौजूदगी ने समारोह को ऐतिहासिक और यादगार बना दिया।समारोह में प्रधान राजू, पंकज गुप्ता, संतोष सिंह, अशोक यादव, राम किशुन यादव, दीपू पाण्डेय, गोपाल सिंह, अरशद मास्टर, डॉ. सुरेश, बन्नू सिंह, अमर यादव, सतीश यादव, विजय राज सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।वहीं महराजगंज प्रेस क्लब अध्यक्ष अमित सिंह, प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेश श्रीवास्तव सहित मीडिया जगत के लोग भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

सोनभद्र में खुलेंगी 19 नई सहकारी समितियाँ, किसानों की उन्नति का मार्ग होगा प्रशस्तः डॉ. जगदीश पटेल

● बीपैक्स ससनई का हुआ लोकार्पण, ओबरा और चोपन बैंक शाखाओं के नए स्वरूप का उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ओबरा/सोनभद्र। जिला सहकारी बैंक मिर्ज़ापुर-सोनभद्र के अध्यक्ष डॉ. जगदीश सिंह पटेल ने मंगलवार को सहकारिता क्षेत्र में बड़े सुधारों का शंखनाद किया। उन्होंने ओबरा और चोपन शाखाओं के जीर्णोद्धार व सुंदरीकरण कार्य का उद्घाटन करने के साथ ही जनपद में 19 नई बीपैक्स (B-PACS) खोलने की घोषणा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. जगदीश पटेल ने कहा, किसानों की समग्र उन्नति तभी संभव है जब हर किसान परिवार सहकारिता से जुड़े। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में प्रदेश की 7,500 बीपैक्स के सुदृढ़ीकरण का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। उन्होंने नगवाँ ब्लॉक की ससनई बीपैक्स के लोकार्पण के साथ ही समिति में उर्वरक वितरण के शुभारंभ की भी घोषणा की। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक देवेन्द्र कुमार सिंह ने सामाजिक जिम्मेदारी पर जोर देते हुए व्यवसायी और नौकरीपेशा वर्ग से भी सहकारी बैंक में खाता खोलने की अपील की। वहीं, बैंक सचिव व महाप्रबंधक राजकुमार यादव ने स्पष्ट किया कि सहकारी बैंक का उद्देश्य व्यवसाय मात्र नहीं, बल्कि जन-सेवा है। डायरेक्टर बलदेव सिंह ने कहा कि जर्जर भवनों और गंदगी की पुरानी पहचान को मिटाकर बैंक शाखाओं का कायाकल्प किया जा रहा है। डायरेक्टर अवधेश सिंह पटेल ने जानकारी दी कि जिला सहकारी बैंक वर्तमान में देश की सबसे सस्ती ब्याज दरों पर निम्नलिखित ऋण उपलब्ध करा रहा है गृह ऋण ,कार ऋण ,पशुपालन ऋण इससे पूर्व शाखा प्रबंधक ओबरा अरविंद कुमार और चोपन प्रबंधक जगदीशनारायण ने अतिथियों का अंगवस्त्रम और बुके देकर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से निम्नलिखित गणमान्य उपस्थित रहे। उपाध्यक्ष विपुल सिंह, डायरेक्टर संतोष सिंह वैश्यवार, अलोपी अग्रवाल, उमेश सिंह पटेल, दीनदयाल यादव, अधिकारी एडीसीओ अवधेश सिंह, सचिव रामअनंत, उमाशंकर यादव, नागेश्वर जायसवाल आदि।

'मकान बिकाऊ है'... आगरा में एक मोहल्ले के 50 घरों में लगे पोस्टर, पार्किंग विवाद से गरमाया मामला

आगरा। बल्केश्वर के मोहल्ला भगवान नगर में मारपीट की घटना ने बड़ा रूप ले लिया है। सोमवार को समुदाय विशेष के युवक ने कार खड़ी करने के विवाद के बाद शादी वाले घर में घुसकर गृहस्वामी के साथ मारपीट की थी। मंगलवार को एक बार फिर आरोपित पक्ष झगड़े पर उतारू हो गया। इसके बाद मोहल्ले में स्थित 50 घरों में लोगों ने मकान बेचने के पोस्टर चस्पा कर दिए। जानकारी होने पर एसीपी छत्ता ने दोनों पक्ष के लोगों को थाने बुलाकर बातचीत की। पुलिस ने आरोपित युवक को हिरासत में लिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आरोपित आए दिन लड़ाई झगड़ा करते हैं। विरोध करने पर घर की महिलाओं को आगे करके झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देते हैं। एसीपी ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया है।

कैफे की आड़ में धड़ल्ले से चल रहे हुक्का बार पुल?स का छापा, सात युवक गिरफ्तार

लखनऊ। अलीगंज स्थित द पैंटा हाउस में कैफे की आड़ में धड़ल्ले से चल रहे हुक्का बार अलीगंज पुलिस ने छापा मारा। पुलिस ने घेराबंदी कर सात युवकों को गिरफ्तार किया है। मौके से 11 हुक्के, चिलम, पाइप, फ्लेवर्ड तंबाकू, चारकोल व अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस हुक्का बार के संचालक व मालिक की तलाश कर रही है। इंस्पेक्टर अलीगंज अशोक सोनकर ने बताया कि पिछले कई दिनों से सेक्टर-बी स्थित पैंटा हाउस कैफे में अवैध रूप से हुक्का बार चलाए जाने की सूचना मिल रही थी। सोमवार रात उपनिरीक्षक धर्मराज सिंह ने पुलिस टीम के साथ कैफे में छापेमारी की। पुलिस टीम पहुंची तो कैफे में हुक्का बार चलता मिला। बार में कई हुक्के लगे थे। पुलिस कर्मियों को देखते ही कैफे में मौजूद लोग भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर सात लोगों को मौके से पकड़ लिया। पकड़े गए युवकों में सीतापुर के सिधौली निवासी अतुल रावत उर्फ छोटू, अतरौली मायापुरी निवासी इनायत अली, महिगवां निवासी अरुण कुमार, इटौंजा बीबीपुर निवासी अभिषेक तिवारी, डालीगंज निवासी विभूम शर्मा उर्फ हर्ष, प्रत्यूष वर्मा निवासी बाबूगंज हसनगंज और बीकेटी के कठवारा निवासी रणविजय सिंह चौहान हैं। इंस्पेक्टर ने बताया पूछताछ में पता चला कैफे का मालिक आदित्य यादव है, लेकिन वर्तमान में संचालन उसका भाई आर्यन यादव द्वारा किया जा रहा था। पुलिस ने उपनिरीक्षक धर्मराज सिंह की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

लाइसेंस का झांसा देकर बुलाते थे आरोपित

इंस्पेक्टर ने बताया कि 18 से कम उम्र के व्यक्ति को तंबाकू उत्पाद की बिक्री करना मना है। इस नियम की अनदेखी द पैंटा हाउस कैफे में की जा रही थी। पूछताछ में हुक्का पी रहे युवकों ने बताया कि संचालक कम उम्र के लड़कों और छात्रों को हुक्का बार का लाइसेंस होने का झांसा देता था। कई बार स्कूल ड्रेस में भी छात्र बिना किसी रोकटोक के आते थे।